राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 06 अंक : 01 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 28 नवम्बर-4 दिसंबर 2022 Website : faridabadkiawaz.com मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

स्पेस सेक्टर की सफलता को पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा भारत, मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। यह मन की बात का यह 95 वां एपिसोड है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही मुझे तेलंगाना से हरिप्रसाद गारू ने हाथ से G-20 का लोगो बुनकर भेजा है। ये शानदार उपहार देखकर मैं हैरान रह गया। मेरे मन में विचार आया कि तेलंगाना में बैठा व्यक्ति में G-20 सम्मेलन से खुदको कितना जुड़ा हुआ महसूस करता है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी सांसद रवि शंकर प्रसाद अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। वहीं, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, भारत स्पेस के सेक्टर में अपनी सफलता, अपने पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है। कल ही भारत ने एक सेटेलाइट लॉन्च की, जिसे भारत और भूटान ने मिलकर डेवलप किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता की बात हो, या फिर सतत विकास की, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। हमने वन

अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की जो थीम दी है, उससे वसुधैव कुटुम्बकम के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है। पीएम मोदी ने कहा, ड्रोन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमने देखा कि कैसे हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में ड्रोन के जरिए सेब ट्रांसपोर्ट किए गए।

मोदी ने कहा, बीते 8 वर्षों में भारत से म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट का निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ गया है। इलेक्ट्रिकल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की बात करें तो इनका निर्यात 60 गुना बढ़ा है। इससे पता चलता है कि भारतीय संस्कृति और संगीत की लोकप्रियता दुनिया में बढ़ रही है।

पीएम मोदी हर महीने के आखिरी रविवार को मन की बात कार्यक्रम करते हैं। इस कार्यक्रम में मोदी अक्सर पिछले महीने में हुई घटनाओं का जिक्र करते हैं और आने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रमों की चर्चा करते हैं। पिछले कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमने ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए इसकी लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को आसान किया है।

पिछले कार्यक्रम में स्वच्छ भारत

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी सांसद रवि शंकर प्रसाद अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। वहीं, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सुन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, भारत स्पेस के सेक्टर में अपनी सफलता, अपने पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है।

अभियान का जिक्र

इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि हमें दिवाली पर स्वच्छता के दौरान अपने घर ही नहीं बल्कि पास-पड़ोस की सफाई की भी चिंता करनी है। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान के तहत यह संकल्प भी लेना है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना है।

सम्पादकीय

संक्रमण से मौतें

इस अध्ययन में यह सामने आया कि वर्ष 2019 में तैंतीस तरह के सामान्य जीवाणुओं के संक्रमण से करीब चौदह लाख लोग मारे गए और इनमें से छह लाख अस्सी हजार लोगों की मौत का कारण सिर्फ पांच तरह के जीवाणुओं के होने वाला संक्रमण था। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया में सबसे ज्यादा मौतों का दूसरा बड़ा कारण जीवाणु संक्रमण रहा। यानी वर्ष 2019 में दुनियाभर में सतहत्तर लाख मौतें तैंतीस तरह के जीवाणुओं से हुईं। भारत के संदर्भ में यह कम चिंताजनक स्थिति नहीं है। जिन पांच जीवाणुओं के संक्रमण से लाखों लोग मौत के मुंह में चले गए, उनमें निमोनिया, मूत्र संक्रमण और टायफायड जैसे रोगों के मामले कहीं ज्यादा हैं। आमतौर पर ये बीमारियां हमारे रहन-सहन और खानपान से ही होती हैं। इससे पता चलता है कि स्वास्थ्य, रहन-सहन, खानपान, प्रदूषण, स्वच्छ पेयजल और शौचालयों की उपलब्धता के मोर्चे पर हम कहां खड़े हैं। और फिर ये आंकड़े तो वे हैं जो कहीं न कहीं दर्ज रहे होंगे। भारत के ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में तो ऐसी संक्रामक बीमारियों से न जाने कितनी मौतें हर साल हो जाती हैं, जो सरकारी रिकार्ड में दर्ज भी नहीं हो पातीं! ऐसे अध्ययन और शोध सिर्फ चौंकाते ही नहीं हैं, बल्कि सचेत भी करते हैं कि हमें किस मोर्चे पर क्या काम करना है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि सामान्य संक्रमणों से भी मरने वालों का आंकड़ा कम नहीं है। इससे पता चलता है कि लोगों को मामूली बीमारियों के इलाज भी आसानी से मुहैया नहीं हो पाते हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति आज भी किस हाल में है, यह किसी से छिपा नहीं है। कहने को देश में बड़े-बड़े पांच सितारा और निजी अस्पतालों की भरमार होती जा रही है, लेकिन आबादी के बड़े हिस्से की यहां तक पहुंच ही नहीं है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों के बोझ से लेकर दूसरी अनगिनत समस्याएं हैं। हजारों लोगों पर एक डाक्टर, एक बिस्तर दशकों से चली आ रही समस्या है। अस्पतालों में उपकरणों और दवाइयों की भारी कमी हमेशा की बीमारी है। जिला अस्पतालों से लेकर ग्रामीण इलाकों में बने प्राथमिक और सामुदायिक चिकित्सा केंद्रों की हालत कौन नहीं जानता। यह भी जगजाहिर है ही कि चिकित्सा सेवा का कर्म किस तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा चुका है। जाहिर है, ऐसे में सामान्य संक्रमण से भी लोग मरेंगे ही! संक्रामक रोग फैलाने वाले जीवाणुओं के पनपने और फैलने का बड़ा कारण स्वच्छता से भी जुड़ा है। भारत के ज्यादातर शहरों में सीवर समस्या से लेकर कूड़े के पहाड़ तक गंभीर संकट का कारण बने हुए हैं। घरों में नलों के जरिए पहुंचाए जाने वाले पानी में सीवर लाइनों का पानी और कीड़े मिलने जैसी शिकायतें इतनी आम हैं कि स्थानीय निकाय और प्रशासन इन्हें समस्या के रूप में देखते ही नहीं। देश की राजधानी दिल्ली में तीन बड़े कूड़े के पहाड़ करीब चार दशकों से खड़े हैं, जो समय-समय पर धधकते रहते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लाखों लोग किस तरह के प्रदूषण में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में बीमारियां नहीं फैलेंगी तो क्या होगा? अगर सामान्य जीवाणुओं के संक्रमण से लाखों लोग मर रहे हैं तो निश्चित ही इसके लिए जिम्मेदार हमारे नीति-नियंता और दोषपूर्ण नीतियां हैं। संक्रमित बीमारियों पर काबू पाना है

दिनेश शर्मा

इमरान खान में इस्लामाबाद मार्च का आह्वान वापस लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने अफरातफरी की आशंका के चलते राजधानी इस्लामाबाद की ओर जा रहे अपने लॉन्ग मार्च को वापस लेने की घोषणा की है।

श्री खान ने उन पर जानलेवा हमला होने के बाद राजधानी के पास रावलपिंडी में अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कहा, मैंने इस्लामाबाद नहीं जाने का फैसला किया है क्योंकि मुझे पता है कि तबाही होगी और देश को नुकसान होगा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार श्री खान ने शनिवार को रावलपिंडी के गैरिसन सिटी में आयोजित एक बड़ी रैली को सम्बोधित करते लाँग मार्च को वापस लेने घोषणा की ताकि किसी तरह की अफरातफरी को टाला जा सके।उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभाओं से इस्तीफा दे देगी ताकि जल्दी चुनाव कराने के लिए सरकार पर दवाब डाला जा सके।

उन्होंने अपने समर्थकों से भावनात्मक अपील करते हुये कहा कि देश पहले ही आर्थिक संकट का सामना कर रहा है लिहाजा देश में किसी तरह

अफरातफरी घातक सिद्ध होगी और यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा। अपने समय महान क्रिकेटर रहे इमरान खान और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से सरकार पर जल्दी चुनाव कराने के लिए जोर देने के लिए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिखा राहुल गांधी का खास अंदाज, महू में बाइक चलाते आए नजर

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' रविवार को मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इंदौर पहुंची। राहुल आज सुबह महू में यात्रा के दौरान बाइक चलाते नजर आए। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस नेता का वीडियो जारी किया है, जिसमें उनकी बाइक के आगे सुरक्षाकर्मी दौड़ते नजर आ रहे हैं। रास्ते को जल्दी-जल्दी खाली कराया जा रहा है। राहुल के पीछे से उनके समर्थक दौड़ लगा रहे हैं जिनमें एक व्यक्ति तिरंगा लिए पीछे-पीछे दौड़ता दिख रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान समाज के अलग-अलग तबके के लोगों के साथ-साथ एक दिव्यांग व्यक्ति भी यात्रा में शामिल हुआ और राहुल कुछ देर के लिए उसकी व्हीलचेयर धकेलते नजर आए। यात्रा में हिस्सा लेने के बाद दिव्यांग मनोहर ने बताया कि उन्होंने राहुल से कहा कि अब देश बदलना चाहिए।

MP में आज 'भारत जोड़ो यात्रा' का 5वां दिन

'भारत जोड़ो यात्रा' रविवार को मध्य प्रदेश में 5वें दिन में प्रवेश कर गई। इसमें शामिल लोगों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में रात्रि विश्राम के बाद राहुल की अगुवाई में पैदल चलना प्रारंभ किया। यात्रा राऊ के उपनगरीय क्षेत्र से गुजरते हुए इंदौर पहुंची। राऊ में यात्रा के स्वागत के लिए लाल कालीन बिछाई गई थी।

इस बीच, पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि इंदौर में यात्रा की सुरक्षा के लिए 1,400 कर्मियों को तैनात किया गया है और जगह-जगह बैरिकेड लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि तंग गलियों और घनी आबादी वाले राजबाड़ा क्षेत्र में 12 जर्जर मकानों को अस्थायी तौर पर खाली करा लिया गया है, ताकि इनके कारण यात्रा के दौरान किसी हादसे की आशंका को समाप्त किया जा सके।

'अब पता लगा सलवार सूट में क्यों भागे थे'...

महिलाओं के कपड़ों पर कमेंट करने पर बाबा रामदेव पर भड़की महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने महिलाओं के कपड़ों पर विवादित टिप्पणी के लिए योग गुरु बाबा रामदेव की आलोचना की है। बाबा रामदेव ने शुक्रवार को ठाणे में एक समारोह में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में कहा था,''महिलाएं साड़ियों में अच्छी लगती हैं, सलवार सूट में भी महिलाएं अच्छी लगती हैं और मेरी नजर में बिना कुछ पहने भी अच्छी लगती हैं। बाब रामदेव के इस बयान पर बवाल खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र

राज्य महिला आयोग ने शनिवार को योग गुरु बाबा रामदेव को महिलाओं के खिलाफ विवादास्पद बयान के लिए नोटिस जारी किया। आयोग की अध्यक्ष रुपाली चकनाकर ने योग गुरु के बयान को गंभीरता से लेते हुए उन्हें नोटिस जारी किया और तीन दिन के अंदर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। वहीं बाबा रामदेव की टिप्पणी पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने 2011 की घटना का जिक्र करते हुए कटाक्ष किया, जब योग गुरु को पुलिस ने महिला के वेश में भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा था।

जेल में सत्येंद्र जैन की 'ऐश' आप के नेता की खातिरदारी का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की सेल में चल रही हाउसकीपिंग सेवाओं का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसी वीडियो में आगे जैन को अपने सेल में लोगों से बातचीत करते भी देखा जा सकता है। पहली नजर में यह वीडियो शुक्रवार को सामने आई फुटेज का ही आगे का पार्ट लग लग रहा है। 'आप' के मंत्री सत्येंद्र जैन की सेल के अंदर की यह चौथी सीसीटीवी फुटेज है जो सामने आई है। कल के वीडियो में वह अपनी

सेल के अंदर कुछ लोगों से मुलाकात और बातचीत करते दिख रहे हैं। इस वीडियो में तिहाड़ जेल के सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार को भी सत्येंद्र जैन के साथ बातचीत करते देखे गए थे। उन्हें इस महीने की शुरुआत में सस्पेंड कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसके पहले जमानत पर सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन पर आरोप लगाया था कि वे जेल के अंदर विशेष सुविधा हासिल कर रहे हैं।

बता दें कि, इससे पहले भी तिहाड़ के अंदर ही नाबालिग से रेप के आरोपी से जैन द्वारा मसाज कराने का वीडियो सामने आया था, जिसके बाद भाजपा ने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को घेरना शुरू कर दिया था। हालांकि, तब 'आप' ने इसे मसाज के बजाय इलाज (फिजियोथैरेपी) बताया था।

गौरतलब है कि पिछले शनिवार को 'आप' उस समय आलोचनाओं के घेरे में आई थी जब जैन की जेल में कथित तौर पर मसाज कराते और लोगों से मिलते हुए एक वीडियो सामने आया था। जैन मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर पिछले पांच महीने से न्यायिक हिरासत में हैं। उस कथित वीडियो में जैन को जेल की अपनी कोठरी में अपने बिस्तर पर लेटकर कुछ दस्तावेजों को पढ़ते तथा लोगों से मिलते हुए कमर और पैरों की मालिश कराते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में मिनरल वाटर की बोतलें और एक रिमोट भी देखा गया। एक वीडियो में वह कुर्सी पर बैठकर सिर की मालिश कराते हुए देखे गए थे।

झरने के पास सेल्फी लेने के दौरान हादसा, फिसलकर गिरने से मदरसे की 4 छात्राओं की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक झरने के पास सेल्फी लेने के दौरान फिसलकर डूबने से चार छात्राओं की मौत का मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार दोपहर में बेलगावी तालुक की सीमा के पास स्थित किटवाड़ जलप्रपात में हुई। ये सभी बेलागवी की रहने वाली थीं और कामत गली में स्थित एक मदरसे के छात्राएं थीं। इनकी पहचान उज्ज्वल नगर की आसिया मुजावर (17), अंगोल के कुदशिया हसन पटेल (20), बेलगावी के जाटपत कॉलोनी की रुखसार भिस्ती (20) और तस्मिया के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मदरसे के कुल 40 छात्र शनिवार सुबह किटवाड़ झरना घूमने गए थे। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस उक्त हुआ जब वे झरने के पास खड़े होकर कुछ लोग सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से 5 छात्र पानी में गिर गए। तट के पास खड़े लोगों सहित कोई भी तैरना नहीं जानता था, इसलिए लड़की को बचाया नहीं जा सका।

एक लड़की की हालत गंभीर

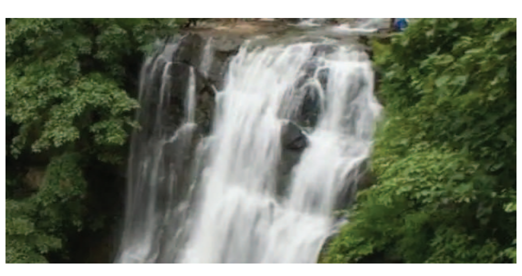

झरने में गिरने के बाद एक लड़की को किसी तरह बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की खबर सुनते ही जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस ने एहतियात के तौर पर परिसर के आसपास अतिरिक्त बल तैनात कर दिए। पुलिस उपायुक्त रवींद्र गदादी और बिम्स अस्पताल के सर्जन अन्नासाहेब पाटिल स्थिति की निगरानी के लिए अस्पताल पहुंचे।

कुएं में गिरने से 2 लोगों की मौत

वहीं, राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के करेड़ा थाना इलाके में पिछले 24 घंटे में दो अलग-अलग हादसों में कुएं में गिरने से 2 किसानों की मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक ताज मोहम्मद ने बताया कि चिलेश्वर निवासी गणपत सिंह चुंडावत 55 शुक्रवार को अपने खेत पर गए। शाम को घर नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश की, नहीं मिले। शनिवार सुबह उनका शव कुएं में तैरता मिला।

कुरुक्षेत्र : लोक कलाकारों ने ब्रह्मसरोवर पर किया पर्यटकों का मनोरंजन

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव शिल्प और सरस मेले के 7वें दिन सुबह और शाम के समय दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों का विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार मनोरंजन करने का काम कर रहे हैं। अनेक राज्यों की संस्कृति पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। ब्रह्मसरोवर का तट विभिन्न राज्यों की संस्कृति को अपने आगोश में समेट रहा है। इस तट पर विभिन्न राज्यों की संस्कृति पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस तट पर भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति को एक साथ देखने का मौका मिल रहा है। शिल्प और सरस मेले में ब्रह्मसरोवर के तट पर चारों तरफ लगे स्टॉलों पर पर्यटक जमकर खरीदारी कर रहे है। शुक्रवार को इस शिल्प मेले की रौनक को बढ़ाने का काम विभिन्न राज्यों से आए पर्यटकों व विद्यार्थियों ने किया। आसमान में खिली धूप ने महोत्सव के माहौल को और भी मनमोहक कर दिया, महोत्सव में आए विद्यार्थियों व पर्यटकों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। बच्चे, जवान और बुजुर्गों ने महोत्सव में जमकर खरीदारी की और विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों खूब मस्ती से नृत्य किया।

यूएचबीवीएन ने स्थापित किया जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा हरियाणा बिजली नियामक आयोग के आदेशों के अनुपालन में उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की स्थापना की गई है। जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार प्रत्येक मामले में एक लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। 29 नवंबर को प्रातः11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, रोहतक में उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। निगम के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि जोन-2 रोहतक के अंतर्गत आने वाले जिलों (करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर और रोहतक) के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण किया जाएगा जिसके अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान बिजली चोरी, बिजली के दुरूपयोग और घातक गैर-घातक दुर्घटना आदि मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा। उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छः महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई राशि या उसके द्वारा देय बिजली शुल्क के बराबर राशि, जो कम है, उपभोक्ता को जमा करवानी होगी। इस दौरान उपभोक्ता को प्रमाणित करना होगा कि यह मामला अदालत, प्राधिकरण या फोरम के समक्ष लंबित नहीं है क्योंकि इस न्यायालय या फोरम में विचाराधीन मामलों पर बैठक के दौरान विचार नहीं किया जाएगा। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को निरंतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है।

केवल आउटसोर्सिंग एजेंसी को कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों को हटाने का अधिकार: मुख्य सचिव

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों के मामले में अभियोजन स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने शुक्रवार को बताया कि अक्सर यह देखा गया है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1998 के तहत अभियुक्त कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति कभी-कभी संबंधित अधिकारियों द्वारा इस आधार पर जारी नहीं की जाती है। संबंधित विभाग अभियोजन स्वीकृति देने के लिए सक्षम नहीं है। केवल आउटसोर्सिंग एजेंसी, सेवा प्रदाता, कॉन्ट्रैक्चुअल ही उन्हें हटा सकते हैं। कौशल ने कहा कि अब इस मामले पर विचार किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि विभागाध्यक्षों या कार्यालय के प्रमुख (संबंधित इंडेंट संगठन के प्रभारी) जिन्होंने सेवा प्रदाता के साथ सेवा समझौते में प्रवेश करने की मंजूरी दी है, या कार्यालय प्रमुख, जिसके अनुमोदन के तहत कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग नीति भाग-2 के तहत नियुक्त किया गया था, ऐसे मामलों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान करने के लिए सक्षम प्राधिकारी हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड, निगमों के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, मण्डल आयुक्तों, रजिस्ट्रार, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, सभी जिला उपायुक्तों और उपमंडल अधिकारियों (नागरिक) को इन निर्देशों के संबंध में पत्र जारी किया गया है।

फतेहाबाद के जितेन्द्र सिंह का राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड 2022 के लिए चयन

चंडीगढ़। भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा गौजातीय प्रजनन एवं डेयरी विकास राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड, 2022 के लिए फतेहाबाद जिले के गांव गिल्ला खेड़ा के जितेन्द्र सिंह का चयन किया गया है। इन्हें देशी नस्ल की गाय/भैंस पालन की सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान श्रेणी में पूरे देश में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि यह पुरस्कार 26 नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस समारोह, 2022 के दौरान डॉ. बाबू राजेन्द्र प्रसाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र, जी.के.वी.के. परिसर बेंगलुरू, कर्नाटक में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला और पशुपालन एवं डेयरी विभाग भारत सरकार के सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में प्रदान किया जाएगा।

स्वदेशी मवेशी पालने वाले किसानों व ब्रीडरों में से एक जितेंद्र

जितेन्द्र सिंह सबसे प्रगतिशील स्वदेशी मवेशी पालने वाले किसानों/ब्रीडरों में से एक हैं। साहीवाल गाय की नस्ल के संरक्षण, उन्नयन और प्रसार के लिए उनके पास 50 दुधारू साहीवाल गायों का स्वदेशी मवेशी डेयरी फार्म है, जिनका न्यूनतम 3000 किलोग्राम दूध का मानक लेक्टेशन है। उन्होंने अपने फार्म में अच्छी मवेशी प्रबंधन तकनीकों के साथ-साथ कृत्रिम गर्भाधान (ए.आई.), भ्रूण स्थानांतरण प्रोद्योगिकी (ई.टी.टी.) और इन-विट्रो फर्टिलाईजेशन (आई.वी.एफ.) जैसी वैज्ञानिक प्रजनन तकनीकों को अपनाया है। जितेन्द्र सिंह के साहीवाल फार्म का भ्रूण स्थानांतरण प्रोद्योगिकी (ई.टी.टी.) के लिए एन.डी.डी.बी. और उच्च वंशावली के साहीवाल बैल के सैक्सड सोर्टिड सीमन से जनित भरूण के लिए आई.वी.एफ. तकनीक के लिए जे.के. बोवाजेनिक्स, जे.के. ट्रस्ट, जीनस ब्रीडिंग इंडिया प्रा.लि. से समझौता किया है।

भारती वाहनों के लिए दिल्ली की तर्ज पर लेन सिस्टम अनिवार्य करेगा हरियाणा

नई दिल्ली। हरियाणा में दिल्ली की तर्ज पर अब भारी वाहनों के लिए लेन सिस्टम लागू होगा। दैनिक जागरण के सड़क सुरक्षा अभियान के बाद प्रदेश सरकार ने सर्दियों में कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश भर के पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सुरक्षा संबंधी 15 नियम ट्रैफिक पुलिस द्वारा बनाए जाएंगे। ये नियम अस्थायी नहीं स्थायी होंगे। इन नियमों को 31 दिसंबर तक बनाकर सरकार को सौंपा जाएगा ताकि सरकार इनके कानून बना सके। गृह मंत्री अनिल विज ने विशेष बातचीत में कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान काफी सराहनीय है। यह किसी बड़े मीडिया संस्थान की तरफ से आमजन के लिए बेहतरीन पहल है। हरियाणा सरकार इसमें सहयोगी बनकर आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य मार्ग से लेकर एक्सप्रेस वे पर अब भारी वाहनों के लिए हरियाणा में भी लेन ड्राइविंग अनिवार्य होगी। जो लेन सिस्टम का उल्लंघन करेगा, उस पर मोटर व्हीकल एक्ट- 2019 के तहत सबसे बड़ा चालान होगा। विज ने कहा कि राज्य में ट्रैफिक पुलिस का अलग काडर भी बनाने पर सरकार विचार कर रही है। फिलहाल ट्रैफिक में व्यापक सुधार के लिए सरकार ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी दी है। अब एडीजीपी ट्रैफिक का अलग पद बनाया गया है। इस पर पहले एडीजीपी ट्रैफिक हरदीप दून को नियुक्त किया गया है। एडीजीपी का ट्रैफिक फोकस एरिया होगा। गृहमंत्री के अनुसार हरियाणा में प्रतिवर्ष 10 से 11 हजार सड़क दुर्घटनाओं में करीब पांच हजार लोग मारे जाते हैं। एडीजीपी ट्रैफिक को आदेश दिए गए हैं कि इन दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य तय किया जाए। इसके लिए जो भी सुधार करने हैं, उन पर समयबद्ध काम किया जाए तथा डायल 112 सेवा के जरिये लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित किया जाए। विज ने कहा कि 15 दिसंबर तक राज्य में लगे सभी सीसीटीवी की मैपिंग करा ली जाएगी।

स्वयं सड़क पर खड़ा होकर समीक्षा करूंगा

गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि ट्रैफिक को सुगम बनाने और सड़कों पर सुरक्षित यातायात के लिए उन्होंने 16 नवंबर को ही अधिकारियों को लक्ष्य दे दिए हैं। 30 दिसंबर के बाद वह स्वयं अपने आदेशों की समीक्षा के लिए सड़कों पर पहुंचेंगे। जहां कमी होगी, वहां संबंधित जिम्मेदारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी होगी। विज ने कहा कि सड़कों पर सुगम और सुरक्षित यातायात के लिए सरकार की तरफ से धनाभाव भी नहीं रहने दिया जाएगा।

बहादुरगढ़ में पत्नी के सिर में चोट मारकर हत्या, आरोपित पति हुआ फरार, जांच में जुटी पुलिस

बहादुरगढ़। पटेलनगर में किराये पर रह रहे बिहार मूल के एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद में अपनी पत्नी की सिर में चोट मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पड़ोसी किरायेदारों ने महिला कमरे में खून से लथपथ महिला का शव देखा तब पुलिस को सूचना दी। करीब 20 दिन पहले ही यह दंपती बिहार से यहां पर आया था। मृतका का नाम जिबची देवी है। उसका पति अर्जुन फरार है। वह बिहार के दरभंगा जिले के शिवदासपुर का रहने वाला है। जबकि मृतका का मायका मधुबनी जिले के महासेरी में है। बताते हैं कि रात को दंपती में झगड़ा हुआ था। सुबह जब पड़ोस में रहे मृतका जिबची की रिश्ते की भाभी रीना देवी उसे जगाने के लिए गई तो कमरे का दरवाजा खुला था। अंदर कई तो जिबची फर्श पर निढ़ाल थी। अर्जुन फरार था। हालांकि मुख्य गेट पर अंदर से ताला लगा था। ऐसे में संभावना है कि आरोपित गेट को फांदकर ही फरार हुआ है। उसकी तलाश की जा रही है। मौके पर फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर छानबीन की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया। मकान के मालिक सतीश कुमार की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। सतीश कुमार मूल रूप से रोहतक के खरावड़ के निवासी हैं। इस समय बहादुरगढ़ के पटेल नगर में गली नंबर चार में रहते हैं। उन्होंने गली नंबर पांच में मकान में कमरे बना रखे हैं।

वहां पर दूसरे प्रदेशों के कामगार परिवार किराये पर रहते हैं। 20 दिन पहले अर्जुन और उसकी पत्नी आए थे। पुलिस ने बताया कि दंपती के तीन बच्चे हैं, इनमें दो लड़की व एक लड़का है। वे मृतका के मायके में ही हैँ। सेक्टर-छह थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि दंपत्ती में झगड़ा किस बात पर था और आरोपित ने किस चीज से अपनी पत्नी पर वार किया, यह उसकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगा।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2022 प्रवेश पत्र 26 से

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2022 (एचटेट) लेवल-1, 2 व 3 का जो आयोजन 03 व 04 दिसम्बर, 2022 को करवाया जा रहा है उसके लिए पात्र अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) बोर्ड वेबसाइट पर कल 26 नवम्बर 2022 से उपलब्ध होंगे। बोर्ड प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि इस परीक्षा में 3,05,717 अभ्यर्थी 504 परीक्षा केन्द्रों पर प्रविष्ट होंगे, जिसमें 2,18,033 महिलाएं, 87,678 पुरूष व 06 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि लेवल-1 (पीआरटी) परीक्षा में 60,794 अभ्यर्थियों में 42,888 महिलाएं व 17,904 पुरूष एवं 02 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। लेवल-2 (टीजीटी) में 1,49,430 अभ्यर्थियों में 1,07,040 महिलाएं व 42,387 पुरुष एवं 03 ट्रांसजेंडर हैं।

28 नवंबर को प्रदेश में होगा प्रतिबंधित अवकाश

हरियाणा सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहादत-दिवस के अवसर पर राज्य सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्ड निगम एवं शैक्षणिक संस्थानों में 28 नवंबर, सोमवार को प्रतिबंधित अवकाश घोषित किया है।

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहादत-दिवस के अवसर पर राज्य सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्ड निगम एवं शैक्षणिक संस्थानों में 28 नवंबर, सोमवार को प्रतिबंधित अवकाश घोषित किया है। इस बारे में हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव की ओर से अधिसूचना जारी की गई है।

डेंगू में बुखार के साथ लाल चकते शरीर पर उभरने से तेजी से गिरती हैं प्लेटलेट्स, खानपान का रखें ख्याल

हिसार। हिसार में डेंगू खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। मौसम में परिवर्तन के बावजूद डेंगू के मामलों में कोई कमी नहीं आ रही है। वीरवार को भी जिले में डेंगू के 50 नए मामले मिले थे, जिससे डेंगू के मामले बढ़कर 1600 पर पहुंच गए है। चिकित्सको का कहना है कि डेंगू के कारण 20 प्रतिशत से अधिक मरीज गंभीर स्थिति में पहुंच गए है। डेंगू के कारण लगातार बुखार रहने के बाद शरीर में लाल चकत्ते उभर आते है, चिकित्सकों का कहना है कि अगर लाल चकते शरीर पर उभरते है तो यह प्लेटलेट्स कम होने के लक्षण है। इसलिए अपने खानपान पर अधिक ध्यान देना चाहिए, ताकि प्लेटलेट्स कम न हो और ब्लड प्रैशर भी ठीक रहे। इसके बावजूद अगर समस्या रहती है तब अस्पताल में दाखिल होकर चिकित्सक की निगरानी में उपचार लेना चाहिए। ताकि डेंगू से उभरा जा सके। जिले में डेंगू के अब 153 एक्टिव मरीज है, जिनमें से 50 प्रतिशत मरीजों में गंभीर लक्षण मिल रहे है। इनमें डेंगू के साथ पीलिया और प्लेटलेट्स डाउन होने के गंभीर लक्षण सामने आ रहे है। कुछ मामलो में मरीज जल्द रिकवर भी हो रहे है। चिकित्सकों का कहना है कि जो पूरा इलाज नहीं लेते, उन्हें समस्या उठानी पड़ सकती है, क्योंकि उपचार के दौरान एक बार आराम होने पर मरीज दवाई लेना बंद कर देते है, जिस कारण वे बाद में गंभीर स्थिति में पहुंच जाते है। विभाग की ओर से डेंगू की सैपलिंग बढ़ाई गई है। जिले के नागरिक अस्पताल और सीएची-पीएचसी में भी डेंगू के सैंपल करवाए जा रहे है। इनके अलावा निजी अस्पतालों में भी डेंगू के कई मरीज दाखिल है। जो गंभीर स्थिति में है। बुजुर्गों में डेंगू के साथ पीलिया और प्लेटलेट्स डाउन होने की समस्या से बुजुर्ग उभर नहीं पा रहे है। जिस कारण डेंगू से मौत भी हो रही है। डिप्टी सीमएओ डा. सुभाष खतरेजा ने बताया कि अब डेंगू के कुल मामले बढ़कर 1600 हो गए है। वहीं डेंगू मरीजों का रिकवरी रेट 87.97 प्रतिशत पर है। डेंगू के अब 171 एक्टिव केस है। डिप्टी सीएमओ डा. सुभाष खतरेजा ने बताया कि लगातार फागिंग और एंटी लारवा एक्टिविटी अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की ओर से अब तक डेंगू से पांच मौत के मामलों में पुष्टि की गई है।

पानीपत में फसल अवशेष प्रबंधन के तहत 824 किसानों ने कराया 4336 एकड़ का पंजीकरण

समालखा (पानीपत)। फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत प्रोत्साहन राशि पाने के लिए किसान 31 दिसंबर तक पंजीकरण करा सकेंगे। हालांकि अभी तक पानीपत जिले से केवल 824 किसानों ने 4336 एकड़ का पंजीकरण कराया है। जोकि अन्य जिलों के मुकाबले बहुत कम है। वहीं प्रोत्साहन स्कीम के लागू होने से जिले में पराली जलाने के मामले बहुत कम सामने आए हैं। जो अच्छी खबर है। पंजीकरण की बात करें तो पानीपत खंड के किसान अव्वल तो समालखा के फिसड्डी हैं।

कंबाइन से कटाई के बाद लगाते हैं आग

पानीपत जिले में करीब 72 हजार हेक्टेयर यानी 1 लाख 80 हजार एकड़ में धान की फसल होती है। धान की 1509 किस्म की अगेती कटाई शुरू हो जाती है। उस समय प्रवासी मजदूर कम मिलने और महंगी दिहाड़ी से बचने के लिए किसान हाथ की बजाय कंबाइन से कटाई कराते हैं। कंबाइन से कटाई के बाद खेतों में बड़े पराली के अवशेष बच जाते हैं। जिसे किसान खेत में जुताई या अन्य तरीके से प्रबंधन की बजाय आग के हवाले करते हैं। इससे जहां पर्यावरण प्रदूषित होता है, वहीं खेत की सेहत भी बिगड़ती है। इसी नुकसान से पर्यावरण और खेती को बचाने के लिए सरकार ने फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम में सीटू और एक्स सीटू मैनेजमेंट के तहत किसानों को एक हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देने की शुरूआत की है। किसान इस योजना का लाभ हरियाणा सरकार की मेरी फसल, मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ले सकते हैं।

अंतिम तिथि के बाद स्वीकार नहीं होंगे आवेदन

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. वजीर सिंह ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए किसानों को 31 दिसंबर तक पोर्टल पर आवेदन कराना होगा। इसके बाद ग्राम स्तर की कमेटी सत्यापन करेगी और फिर प्रोत्साहन राशि सीधे किसान के खाते में भेजी जाएगी। आवेदन के लिए पोर्टल खुला है। उन्होंने कहा कि किसान फसल अवशेष का खेत में प्रबंधन करते हैं तो उससे खेत की उर्वरक शक्ति बढ़ेगी।

किस खंड से कितने किसानों ने अभी तक कराया पंजीकरण

खंड ------पंजीकृत किसान -- पंजीकृत एरिया (एकड़ में)

पानीपत --218 -- 821.39

इसराना --181 -- 1263.82

समालखा-- 82 -- 534.22

बापौली --133 -- 553.45

मतलौडा--210 -- 1191.02

निर्वाचन आयुक्त ने किया मतदान केंद्रों का दौरा

चंडीगढ़। प्रदेश के निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने शुक्रवार को तीसरे और अंतिम चरण के पंचायत आम चुनावों में मतदान के दौरान पलवल जिला के गांव धतीर, टहरकी, मीराका सहित कई गांवों के मतदान केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों तथा वोट डालने आए मतदाताओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता शांतिपूर्ण ढंग से मतदान करें और अपने गांवों की सरकार का बेहतर ढंग से चुनाव करें। इस अवसर पर उनके साथ अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार, डीएसपी सतेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। चुनाव आयोग की हिदायतानुसार जिला में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से चुनाव करवाया जा रहा है।

करनाल में घरेलू हवाई अड्डे के निर्माण का रास्ता साफ, दिल्ली-चंडीगढ़ की एयर कनेक्किटी को मिलेगा लाभ

करनाल। नेवल हवाई पट्टी के विस्तार के लिए रुकावट बनी जमीन की समस्या को प्रशासनिक अधिकारियों ने सुलझा लिया है। वर्ष-2014 में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा के बाद 36 एकड़ छह मरले जमीन का अधिग्रहण किया गया था।जगह की कमी समस्या को दूर करते हुए अब प्रशासन ने 26 एकड़ जमीन हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ सिविल एविएशन को हेंडओवर कर दी गई है। इस हवाई पट्टी को हिसार की तर्ज पर विकसित किया जाना है और पांच हजार फुट का रनवे बनने से यहां से बड़े जहाज भी उड़ान भर सकेंगे। परियोजना को जल्द सिरे चढ़ाने के लिए अब अधिकारी विकसित रिपोर्ट पर काम करने में जुट गए हैं।

पांच हजार फुट रनवे का विस्तारीकरण

घरेलू हवाई अड्डा निर्माण को लेकर कवायद वर्ष-2008 से चल रही है और अक्टूबर-2012 में एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया ने यहां हवाई अड्डा बनाने की संभावनाओं की तलाश की। अधिकारियों के दौरे और बैठकों तक यह परियोजना जून-2014 तक सीमित रही। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल के विकास में अपनी छाप छोड़ते हुए आठ नवंबर 2014 को नेवल हवाई पट्टी का विस्तार की घोषणा की। मसौदे के अनुसार मौजूदा पट्टी को तीन से बढ़ाकर पांच हजार फुट किया जाना है। इसके लिए 172 एकड़ तीन कनाल 16 मरला जमीन की जरूरत थी जिसमें 106 एकड़ छह कनाल और 14 मरला जमीन सरकार की है जबकि 38 एकड़ जमीन ई-भूमि पोर्टल पर किसानों ने दी। अब शेष बची 26 एकड़ भूमि अधिग्रहण की समस्या को दूर कर लिया गया है।

दिल्ली और चंडीगढ़ एयर कनेक्टिविटी संभव

घरेलू हवाई अड्डा का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद करनाल की दिल्ली और चंडीगढ़ से एयर कनेक्टिविटी आसान होगी। साथ ही जीटी बेल्ट के सभी जिलों के अलावा पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के साथ लगते जिलों को भी लाभ मिलेगा। विस्तारीकरण साथ ही छोटे और मध्यम श्रेणी के विमान यहां उतर सकेंगे। बेसिग, पार्किंग जोन, नाइट लैंडिंग, लाइट एमआरओ जैसी सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। रात के समय भी विमानों का आवागमन होगा।

टू सीटर सेशना-152 व फोर सीटर सेशना-172 का प्रशिक्षण

नेवल हवाई पट्टी पर मौजूदा समय में टू सीटर सेशना-152 और फोर सीटर सेशना-172 क्राफ्ट के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ सिविल एविएशन करनाल की हवाई पट्टी में विज्ञान संकाय से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी को कामर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए 200 घंटे की फ्लाइंग करवाई जाती ळै। यह लाइसेंस डायरेक्टर जनरल आफ सिविल एविएशन दिल्ली से बनता है। साथ ही एनसीसी एयर विंग के बच्चे भी अभ्यास करते हैं। वहीं, एसडीएम अभिनव मेहता ने बताया कि नेवल हवाई पट्टी के विस्तारीकरण के लिए 26 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ सिविल एविएशन को हैंडओवर कर दिया गया है। परियोजना में मार्च-2021 में निर्माण शुरू होना था लेकिन जमीन एक्वायर में समस्या के चलते देरी हुई है। परियोजना पर अब डीपीआर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

हरियाणा में लोग भी खरीद सकेंगे VIP नंबर, सरकार ने गाड़ियों की पॉलिसी बदली

चंडीगढ़। हरियाणा में वाहनों के वीआईपी नंबरों की पॉलिसी में बदलाव कर दिया गया है। परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब गाड़ी खरीदने के 90 दिन पहले ही वीआईपी नंबर ले सकते हैं। सबसे ज्यादा डिमांड में रहने वाले 001 नंबर का बेस प्राइज विभाग ने 5 लाख रुपए तय किया है।

सरकारी वाहनों पर लिखा होगा सरकार

संशोधित पॉलिसी के तहत अब हरियाणा के सरकारी वाहनों पर सरकार लिखा होगा। वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबरों के बीच में जीवी लिखा रहेगा। इससे सरकारी वाहनों की पहचान आसानी से की जा सकेगी। कुछ विभागों में नई सीरीज की नंबर प्लेट लगाने का काम राज्य में शुरू कर दिया गया है। दूसरे विभाग में भी जल्द ही इस काम को पूरा करेंगे।

निजी वाहनों के लिए अलग बेस प्राइज–निजी वाहनों के वीआईपी नंबरों के लिए अलग से बेस प्राइज तय किए गए हैं। 0001 नंबर के लिए निजी वाहनों का बेस प्राइज 5 लाख रुपए रखा गया है, जबकि परिवहन वाहनों के लिए बेस प्राइज एक लाख रुपए रखा गया है। 0002, 0007, 0009 का बेस प्राइज 1.5 लाख फिक्स किया गया है। 0012 से 0098 और अन्य वीआईपी नंबरों का बेस प्राइज 50 हजार रखा गया है।

पहले ये थी वीआईपी नंबरों के लिए पॉलिसी

हरियाणा में पहले हर सीरीज में 1 से 100 नंबर तक सरकारी वाहनों के लिए आरक्षित थे। आम लोग इन नंबरों के लिए सोच भी नहीं सकते थे, लेकिन हरियाणा सरकार ने इसमें बदलाव करते हुए इन नंबरों को आम लोगों के लिए भी खोल दिया है। हालांकि इसके लिए लोगों को जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी।

सीएम मनोहर ने की बड़ी पहल

इस साल की शुरुआत में सीएम मनोहर लाल इस मामले में बड़ी पहल कर चुके हैं। ष्टरूने आदेश जारी किए थे कि अब वीआईपी नंबरों पर अब नेताओं और अफसरों का अधिकार नहीं रहेगा। उन्होंने खुद अपने काफिले में शामिल सरकारी वाहनों से 0001 नंबर हटा दिया था। इसके बाद मुख्य सचिव संजीव कौशल ने भी यह कदम उठाया।

हरियाणा में 'चिरायु कार्ड' के लिए धन वसूली पर मुख्यमंत्री ने जताई नाराजगी

चंडीगढ़। हरियाणा में 5 लाख तक मुफ्त इलाज वाले चिरायु कार्ड बनाने के लिए लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं। ऐसी कई शिकायतें सीएम मनोहर लाल तक पहुंच रही हैं। सीएम ने इस पर नाराजगी जताई है और अधिकारियों से इस मामले में सख्त कार्रवाई की बात कही है। साथ ही राज्य भर में गांव स्तर पर लोगों की मदद के लिए कॉल सेंटर बनाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा है कि चिरायु योजना का रजिस्ट्रेशन करने व स्वास्थ्य कार्ड निशुल्क बनाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इस स्कीम से हरियाणा के करीब 28 लाख परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा।

E- उपचार पोर्टल बनेगा

हरियाणा के अंत्योदय परिवारों के एक करोड़ 60 लाख से अधिक व्यक्तियों का स्वास्थ्य सर्वे किया जाएगा। साथ ही प्रदेश में चलाई जा रही ई-उपचार योजना के तहत 1.8 करोड़ लोगों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का डेटा उपलब्ध है। ऐसे सभी लोगों का स्वास्थ्य डेटा एकत्र करने के लिए ई-उपचार का यूनिवर्सल पोर्टल बनाया जाएगा।

पहले की सरकारें केवल अपने इलाकों तक सीमित रहती थी-राव इंद्रजीत सिंह

फरीदाबाद की आवाज

नारनौल। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों की बदौलत हम सुरक्षित हैं। इनके कुनबे का ख्याल रखना हम सबकी जिम्मेदारी होती है। यह इलाका हमेशा शहीदों को सम्मान देता आया है। श्री राव आज गांव धोलेड़ा में आजाद हिंद फौज के सिपाही रहे श्योराम यादव व उनकी धर्मपत्नी नंदो देवी की मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व आरती राव भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने ग्रामीणों की मांग पर गांव में शहीद के नाम पर खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पास करते ही इसकी प्रक्रिया शुरू करवा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सैनिकों का मान सम्मान बढ़ा है तथा उसे ताकत मिली है। यह इलाका फौजियों का इलाका है। ऐसे में यहां के नागरिक सरकार के आभारी हैं।

उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि अगला सैनिक स्कूल मातनहेल में खोला जाए। इसके लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। श्री राव ने कहा कि पहले जो भी सीएम होते थे वे अपने इलाके के विकास तक ही सीमित रहते थे। यह पहली सरकार है जिसने दक्षिणी हरियाणा की सुध ली है। नेशनल हाईवे का जाल बिछाने से यहां की तस्वीर बदली है। यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का नतीजा है। जहां नेशनल हाईवे बनते हैं वहीं पर उद्योग लगते हैं और इलाके का विकास होता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उद्योगों में स्थानीय युवकों को नौकरी मिले इसके लिए सरकार ने लोकल युवाओं के लिए 75 फ़ीसदी आरक्षण की व्यवस्था की है। यह उद्योगपतियों की जिम्मेदारी बनती है कि जहां की

जमीन ली है वहां के युवाओं को नौकरी दे। सरकार ने इसके पुख्ता प्रबंध किए हैं।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा में डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनकर तैयार हो चुका है। अब इंटीग्रेटेड मल्टीपरपज इंडस्ट्रियल हब बनने के बाद रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। इसका काम भी अंतिम चरण में है।

श्री राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में भी बड़ा कार्य किया है। रेवाड़ी के माजरा गांव में एम्स खुलना इस बात का प्रमाण है। प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में ढांचागत सुविधाएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। कार्यक्रम में मनीष मित्तल ने मंच संचालन किया।

समारोह में पूर्व विधायक विमला चौधरी, हंसराज यादव, राव होशियार सिंह, छत्रपाल रावत, पूर्व चेयरमैन जेपी सैनी, प्रोफेसर रोशन लाल, बाबू लाल पटीकरा, अनिल यादव, ज्ञानी पटवारी, अभय सिंह सरपंच, सतबीर गहली, दिनेश मास्टर, धर्मवीर यादव झूक , रामेश्वर पहलवान, तेज प्रकाश, ओपी मेहता, वीरपाल नीरपुर, लक्ष्मी सैनी के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

राव साहब ने हमेशा इलाके के लिए संघर्ष किया - ओमप्रकाश यादव

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि आई एन ए के सिपाही रहे श्योराम यादव की मूर्ति का अनावरण ऐसे हाथों से हुआ है जिनके पूर्वजों ने हमेशा इलाके के हक की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति से लेकर आजादी तक तथा आजादी के बाद इस इलाके के हकों के लिए राव साहब के पूर्वज हमेशा आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब हमारे ऐसे पूर्वजों को सलाम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस परिवार ने लोगों को सामाजिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थाएं खोली तथा किसानों को मजबूत बनाने के लिए गौशाला खोली है। इस इलाके को हमेशा संकट से उबारने में राव साहब आगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि इलाका का प्रत्येक व्यक्ति जानता है और इस बात के लिए निश्चित है कि जब भी इलाके पर कोई समस्या आएगी तो केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत सिंह तुरंत इलाके के लोगों के लिए खड़े हो जाएंगे इतिहास इस बात के लिए गवाह है जब कोई इलाके को जरूरत हुई तो राव इंद्रजीत सिंह ने इलाके के हितों की पैरवी की

ओमप्रकाश यादव ने किया केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का स्वागत-प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के जिले में आगमन पर पटीकरा के नजदीक हाईवे पर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। यहां पर केंद्रीय मंत्री ने कई देर तक मौजूद कार्यकर्ताओं से बातचीत की तथा उनका हालचाल जाना। इसके बाद यह काफिला उनके आगे-आगे गांव धोलेड़ा तक पहुंचा।

रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन की तरफ से नेत्र जांच शिविर आयोजित

रेवाड़ी। राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के दौरान गुड़गांव ग्लोबल कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी तथा रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन एवं फोर्टिस अस्पताल, नई दिल्ली के साथ मिलकर बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के बच्चों के लिए निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया. निशुल्क जांच शिविर का उद्घाटन गुरुग्राम ग्लोबल कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी के अध्यक्ष रविंद्र टोकस के कर कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया. इस अवसर पर रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन के प्रधान हरीश मेंदीरत्ता,सचिव मनीष अरोड़ा, पूर्व प्रधान जे पी मैचौहान, प्रधानाचार्य इंदिरा रहेजा ,डॉ. नवीन अदलखा तथा अरुणा यादव ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. कैंप की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके की गई. कॉलेज प्रशासन की तरफ से सभी अतिथियों को विभिन्न तरह के पौधे देकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैलाई गई.

जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक आयोजित

फरीदाबाद की आवाज

नारनौल। उपायुक्त डॉ जयकृष्ण आभीर ने कहा कि जिला में अधिकारी लगातार फील्ड में रहकर खनन कार्यों पर नजर रखें। जहां भी अवैध तरीके से खनन की सूचना मिले तो तुरंत छापेमारी करें। डीसी आज लघु सचिवालय के मीटिंग हाल में अवैध खनन को रोकने के लिए बनाई गई जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

उपायुक्त ने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में 7 स्थानों पर लीगल माइनिंग का कार्य चल रहा है। इनसे सरकार को राजस्व प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा अगर कहीं भी खनन होता है तो वह पूरी तरह से कानून के खिलाफ है। ऐसा काम करने वालों के खिलाफ अधिकारी लगातार कार्यवाही करें। डीसी ने कहा कि जिला में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। ऐसा कार्य करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा हर जगह पर यह भी सुनिश्चित किया जाए कि एनजीटी के आदेशों की पालना हो।

उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में अब तक खनन कार्य से सरकार को लगभग 91.88 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। वहीं इसी दौरान अवैध खनन के मामले में 141 वाहनों को पकड़ा गया है जिन से लगभग 1.14 करोड़ रुपए जुर्माना वसूला है। इसी समय के दौरान अब तक जिला महेंद्रगढ़ में अवैध खनन करने वालों पर 81 एफ आई आर दर्ज हुई हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वाहनों की नंबर प्लेट व चेसिस नंबर को भी देखा जाए। कहीं भी गलत तरीके से नंबर प्लेट लगी मिलती है तो उन वाहनों को तुरंत जब्त किया जाए। उन्होंने कहा की अधिकारी अपने सूचना तंत्र को मजबूत रखें। प्रशासनिक कार्रवाई में सूचना का बड़ा महत्व होता है। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोहान व कृष्णावती नदी में भी लगातार औचक निरीक्षण करते रहें। यहां पर अगर कोई रेत निकालता मिलता है तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जाए।

पुलिस डायरी

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा व उपायुक्त विक्रम सिंह ने किया मतदान केंद्रों का दौरा

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने पंच और सरपंचो के चुनाव के लिए बनाए गए मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिला फरीदाबाद में अब तक शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है। लोकतंत्र के पर्व में जिला फरीदाबाद की जनता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज शुक्रवार को जिला फरीदाबाद में पंच और सरपंचो के लिए मतदान के दौरान मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान प्रक्रिया बारीकी से जानकारी ली और वहां पर मतदान कर रहे युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं व पुरुषों से प्रजातंत्र के पर्व में मतदान करने बारे सुझाव साझा किए। उन्होने मतदाताओं से अपील की वह किसी के दबाव में आकर वोट न दे बल्कि अपनी समझ से अपने मत का प्रयोग करे। डीसी विक्रम व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा आज सबसे पहले सिकरी के राजकीय स्कूल में पहुंचकर वहां हो रहे मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। वहां पर सेक्टर ऑफिसर, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। तत्पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह और पुलिस आयुक्त ने पियाला गांव के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। वहां पर भी उन्होंने पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा चुनाव में चुनाव एजेंटों से बात की और वहां हो रहे मतदान बारे जानकारी ली। तत्पश्चात वह कैल गांव, बल्लभगढ़ के बूथ में पहुंच कर वहां की स्थिति का जायजा लिया और वहां पर पुलिस तथा प्रजेन्डिंग अधिकारियों से मतदान प्रक्रिया की जानकारी ली। वहां पर लगे सेक्टर अधिकारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों से बातचीत करके शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने के दिशा निर्देश दिए।

क्राइम ब्रांच 85 की शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, बोलेरो पिकअप में 80 पेटी शराब सहित दो आरोपी काबू

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशानिर्देश तथा एसीपी क्राइम सुरेंद्र श्योराण के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 85 प्रभारी जोगिंदर सिंह की टीम ने शराब तस्करी के मुकदमे में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वसीम उर्फ तासिम तथा आशु का नाम शामिल है। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के बनारस के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई की आरोपी बोलेरो पिकअप गाड़ी में अवैध शराब भरकर चिमनी बाई चौक के पास से होते हुए जाएंगे। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम

ने बताए गए स्थान पर नाकाबंदी शुरू कर दी। थोड़ी देर पश्चात वहां पर बताई गई बोलेरो पिकअप गाड़ी आई जो पुलिस को देखकर गाड़ीचालक घबरा गया और गाड़ी भगाने की कोशिश करने लगा परंतु क्राइम ब्रांच की टीम ने बहादुरी का परिचय देते हुए गाड़ी रुकवाकर चालक और सहायक चालक दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। गाड़ी को चेक करने पर उसमें से 80 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई जिसमें 64 पेटी रॉयल स्टैग तथा 16 पेटी रॉयल चैलेंज के शामिल थी। शराब की बोतलों को पेटियों में इस प्रकार पैक किया गया था कि किसी को शक ना हो कि उसमे शराब भरी हुई है। आरोपियों से जब शराब का लाइसेंस मांगा गया तो वह कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके जिसके पश्चात आरोपियों को एसजीएम नगर थाने लाकर उनके खिलाफ अवैध शराब तस्करी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपियों को अदालत में पेश किया गया जहां आरोपी आशु को जेल भेज दिया गया और आरोपी वसीम को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

जिला परिषद जिला परिषद एवं ब्लॉक समिति के चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन हुए

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराए लोगों ने स्वतंत्र और निर्भीक रूप से अपने मत का प्रयोग किया । पुलिस आयुक्त श्री विकास कुमार अरोड़ा के निर्देश पर 2500 से अधिक पुलिसकर्मियों ड्यूटी चुनाव मे लगाई गई थी पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त द्वारा सभी डीसीपी, एसीपी, थाना व चौकी प्रभारियों को मतदान के दौरान सभी पोलिंग बूथ पर शांति पूर्ण मतदान के लिए लगातार पेट्रोलिंग के दिए गए दिशा निर्देश पर कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने चुनाव को शांतिपूर्ण कराया है। फरीदाबाद के 99 गांव की 100 पंचायत में 311 पोलिंग बूथ बनाए गए है जिसमे मतदान केंद्रों को सामान्य, सेंसिटिव और हाइपरसेंसेटिव वर्गों में बांटा गया है। इसमें से 52 जगहों को सेंसिटिव और हाइपरसेंसेटिव की श्रेणी में रखा गया है। मीडिया के माध्यम से सर्वसाधारण से मृतक की पहचान की अपील की जाती है। यदि किसी के पास इस संबंध में कोई जानकारी है तो पुलिस को 9582200127 या 9999150000 पर सूचना दे सकता है।

सेक्टर 7 एरिया में की गई महिला की हत्या के मामले में रिमांड पर चल रहे आरोपी को पुलिस रिमांड पूरा होने के पश्चात भेजा गया जेल

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। सेक्टर 7 एरिया में 7 नवंबर हुई एक अज्ञात महिला की हत्या के मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी मनोज को आज पुलिस रिमांड पूरा होने के बाद अदालत मे पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि इस मामले के आरोपी मनोज को क्राइम ब्रांच सेंट्रल और 85 की टीम ने 20/21 नवंबर की रात नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। आरोपी मनोज नेपाल का रहने वाला है जो फिलहाल फरीदाबाद की सेक्टर 11 राजीव नगर झुग्गी में रह रहा था। आरोपी फरीदाबाद में दिहाड़ी मजदूरी का काम करता है। बता दे की 7 नवंबर की रात आरोपी ने एक महिला के साथ बलात्कार करके उसकी हत्या कर दी थी और उसके शव को सेक्टर 7 पार्क में फेंक दिया था। इस मामले में क्राइम ब्रांच व थाना पुलिस की टीमें लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने सीसीटीवी फुटेज, गुप्त सूत्रों, तकनीकी सहायता तथा आसपास के लोगों के साथ की गई पूछताछ के आधार पर वारदात में शामिल आरोपी मनोज को सनौली बॉर्डर नेपाल से गिरफ्तार कर फरीदाबाद लाया गया था, जिसे अदालत में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी ने महिला की हत्या करने से पहले महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था आरोपी ने सेक्टर 7 पार्क के पास अप्राकृतिक संबंध बनाने की कोशिश की परंतु महिला द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसका सर दीवार से दे मारा और कपड़े से उसका गला घोट दिया। आरोपी को डर था कि कहीं महिला जिंदा बच गई तो वह पुलिस के पास जाएगी और पुलिस उसे गिरफ्तार करके जेल भेज देगी। आरोपी ने पार्क मे पड़ा पाईप उठाया और गुस्से में पीड़िता के गुप्तांग में घुसा दिया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी की निशानदेही पर क्राइम ब्रांच की टीम ने वारदात के समय पहना हुआ आरोपी का जैकेट सेक्टर 12 से बरामद किया। रिमांड पूरा होने पर पुलिस द्वारा आरोपी का मेडिकल करवाने के पश्चात उसे अदालत में दोबारा पेश करके जेल भेज दिया गया है। पुलिस आयुक्त ने मामले में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं जिसके तहत अदालत में जल्द ही मामले का चालान पेश करके आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाएगी।

2 गुमशुदा नाबालिग बच्चों को बरामद कर पुलिस चौकी संजय कॉलोनी की टीम ने किया परिजनों के हवाले

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। शहर में गुमशुदा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को लेकर पुलिस कमिश्नर श्री विकास कुमार अरोड़ा के द्वारा तलाशने के दिए गए दिशा निर्देश के तहत पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी कृष्ण गोपाल की टीम ने कार्रवाई करते हुए 2 गुमशुदा नाबालिक बच्चों के परिजनो को तलाश कर किया हवाले। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गुमशुदा बच्चे संजय कॉलोनी के एरिया से लावारिस अवस्थाम घुमते हुए शाम करीब 5 बजे बरामद हुए है। बच्चों से पूछताछ की गई तो दोनों बच्चें एक ही परिवार के थे। जिसमें एक 9 वर्ष तथा एक 6 वर्ष का था। बच्चे घर से भटक गए थे। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चों की सूचना पुलिस कंट्रोल रुम में दी, पुलिस के द्वार बनाए गए सोशल मीडिया ग्रुप और समाज के आम लोगों के साथ पुलिस के बनाए गए आर.डब्लू ग्रुप पहचान के लिए बच्चों का फोटो डाली गई। बच्चों के साथ पीसीआर की मदद् से पुलिस चौकी एरिया में अलाउंसमेंट की गई। लेकिन बच्चों के परिजनों का कोई पता नही लगा। अंत मे पुलिस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम

से बच्चों का पर्वतीय कॉलोनी का पता चला। बच्चों के परिजनों से सम्पर्क किया गया। बच्चों की माता से बात हुई उसने बताया कि उसका पति गुरुग्राम में रहता है वह कम्पनी में काम करती है। बच्चे दिन में अकेले रह जाते है। परिचित बच्चों को उनके परिवारजनों को रात करीब 10.30 बजे सौंप दिया गया है। परिवारजनों ने ने पुलिस का तहे दिल से धन्यवाद किया है।

देसी कट्टे के साथ आरोपी को क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम श्री मुकेश मल्होत्रा के द्वारा अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियो की धरपकड के दिए गए दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 प्रभारी राकेश कुमार की टीम ने देसी कट्टे सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम अनीश उर्फ होंशी। आरोपी गांव धौज का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से थाना धौज के एरिया से देसी कट्टे के साथ एक जिन्दा रोंद के साथ काबू किया है। आरोपी को खिलाफ थाना धौज में अवैध हथियार रखने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया की आरोपी पर पूर्व में लूट, डकैती,चोरी और एटीम चोरी करने की वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी ने देसी कट्टे को बरदातों को अंजाम देने के लिए नहूं जिले के बस स्टैण्ड से 4500/-रु में किसी अनजान व्यक्ति से खरीदा था। आरोपी के संबंध में सभी संबंधित थानों को सूचित कर दिया है। आरोपी पहले भी कई बार जेल जा चुका है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

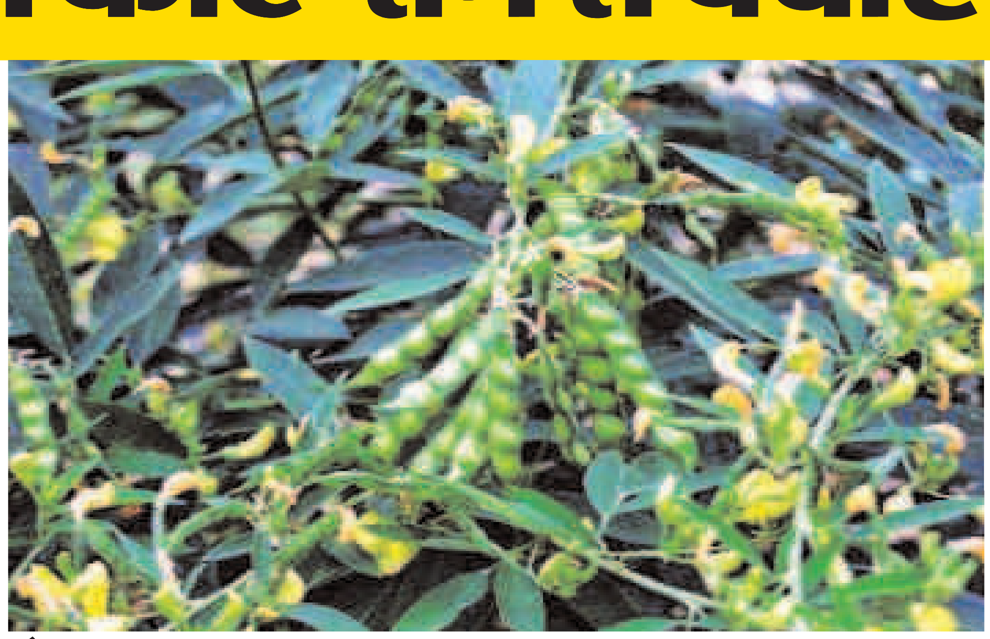

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

मानुषी छिल्लर कर रहीं इस बिजनेसमैन को डेट, लिव इन में हुईं शिफ्ट!

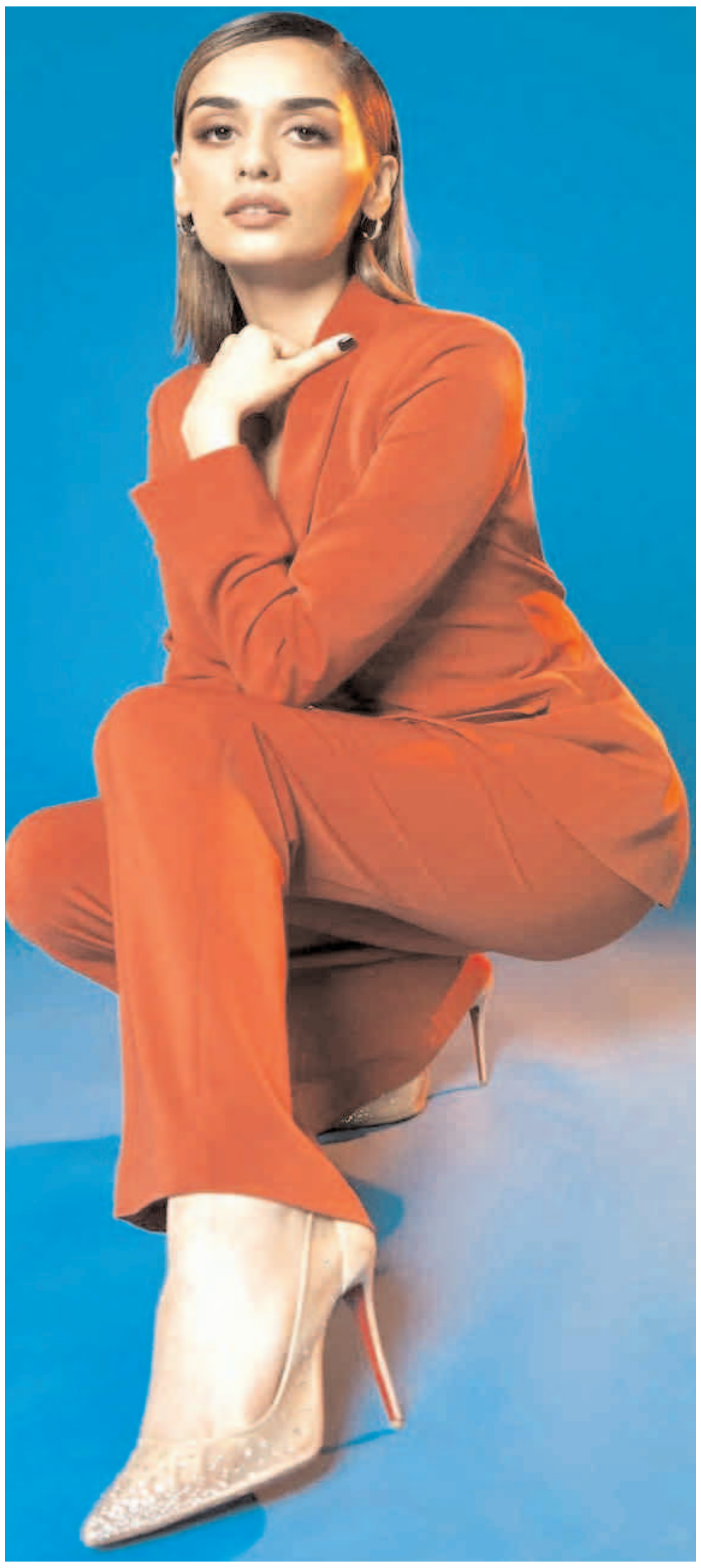

बॉलीवुड इंडस्ट्री से हर दिन किसी ना किसी सेलेब्स के लिंकअप और ब्रेकअप की खबरें आती रहती हैं। अब पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों के अनुसार मानुषी कथित तौर पर बिजनेसमैन निखिल कामत के साथ रिलेशनशिप में हैं। बताया जा रहा है कि मानुषी और निखिल कामत 2021 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर साथ में ट्रिप पर जाते हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों साथ में लिव इन में भी रह रहे हैं। दोनों के परिवारवालों को इस रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, मानुषी और निखिल का रिश्ता हर दिन के साथ काफी मजबूत हो रहा है। मानुषी वर्तमान में अपने अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और यही एक कारण है कि वह अपनी लव लाइफ के बारे में बात नहीं करना चाहतीं। बिजनेसमैन निखिल कामत इंडियन फाइनेंशियल कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर है। निखिल ने 2019 में इटली में अमांडा नाम की महिला से शादी चराई थी। हालांकि एक साल के भीतर ही दोनों अलग हो गए थे। निखिल ने 2021 में तलाक ले लिया था।

धड़कनें बढ़ा देती हैं आश्रम वाली त्रिधा की ये तस्वीरें

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी लोकप्रिय वेब सीरीज आश्रम के जरिए रातो रात इंटरनेट सेंसेशन बनीं त्रिधा चौधरी 22 नवंबर 2022 को अपना 29वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जन्मीं त्रिधा साल 2013 से ही दर्शकों को एंटरटेन करती आ रही हैं। उन्होंने तमाम बंगाली, तेलुगू और हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। लेकिन वेब सीरीज आश्रम में उनका बबीता जी वाला किरदार लोग कभी नहीं भूल पाए।

-आश्रम में क्या था त्रिधा चौधरी का किरदार?

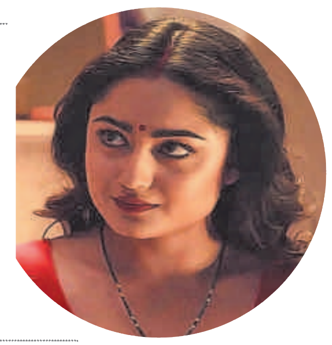

साल 2020 में आई वेब सीरीज आश्रम में त्रिधा ने सत्ती की पत्नी बबीता का किरदार निभाया था। एक ऐसी लड़की जिसे आश्रम के लोग वैश्यालय से लाकर उसकी शादी आश्रम में काम करने वाले लड़के से करवा देते हैं। सीरीज में न सिर्फ त्रिधा चौधरी की एक्टिंग काबिल-ए-तारीफ थी, बल्कि उनकी बोल्ड अदाओं पर भी फैंस मर मिटे।

-जब फैंस ईशा गुप्ता से करने लगे थे तुलना

त्रिधा चौधरी ने सीरीज में कई बोल्ड सीन दिए थे और उन्होंने इन सीन्स को इतनी खूबसूरती से किया कि देखने वालों की धड़कनें बढ़ गई। इतना ही नहीं त्रिधा चौधरी के बाद अगली सीरीज में जब मेकर्स ने ईशा गुप्ता को साइन किया तो बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईशा वो कमाल नहीं दिखा पाईं जो ईशा गुप्ता ने अपने किरदार के जरिए किया था।

-सुपरहिट हो गई थी बॉबी देओल की सीरीज

त्रिधा चौधरी को बॉबी देओल स्टारर इस सीरीज के जरिए खूब फेम मिला। बता दें कि बॉबी देओल ने इस सीरीज में लीड रोल प्ले किया था। आश्रम को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला इसके 3 सीजन अभी तक आ चुके हैं। सीरीज में में बॉबी देओल ने एक धूर्त बाबा का रोल प्ले किया है, जो आश्रम की आड़ में कई काले काम करता है।

मिताली नाग ने बताया आशिकाना 2 के लिए हां क्यों कहा

स्ट्रीमिंग शो आशिकाना के दूसरे सीजन में एक नया मोड़ लाने वाली अभिनेत्री मिताली नाग ने खुलासा किया है कि किस चीज ने उन्हें शो के लिए हामी भरने के लिए मजबूर किया। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो के साथ ओटीटी के स्थान पर काम करने का अवसर कुछ ऐसा है जिसने उनके लिए डील को सील कर दिया क्योंकि उन्होंने टेलीविजन से स्ट्रीमिंग माध्यम में एक सफल परिवर्तन करने के बारे में सोचा। इसके बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, इसलिए जब कास्टिंग डायरेक्टर डिंपी ने मुझे आशिकाना सीजन 2 की पेशकश की, तो ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश थी क्योंकि सीरीज एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होती है। इसने मुझे टीवी से ओटीटी में छलांग लगाने का मौका दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि यह शो के निर्देशक की कहानी कहने की क्षमता थी जिसने उसे स्ट्रीमिंग सीरीज लेने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे की थी। मुझे पता है कि वह कितनी रचनात्मक हैं इसलिए मुझे यकीन था कि आशिकाना 2 भी एक अनूठा शो होने वाला था। आशिकाना सीजन 2 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

शाहरुख को असाधारण काम के लिए किया जाएगा सम्मानित

मेगास्टार शाहरुख खान एक ऐसी शख्सियत हैं जिनकी लोकप्रियता की कोई सीमा नहीं है और यह पूरी दुनिया में छाए हैं। 100 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके किंग खान के नाम कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। लेकिन जैसा कि हमने कहा, बादशाह की लोकप्रियता का कोई अंत नहीं है, वह आने वाले रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने सोमवार को घोषणा की कि लेजेंड्री भारतीय अभिनेता और निर्माता शाहरुख खान को फिल्म इंडस्ट्री में उनके असाधारण योगदान के लिए रेड सी, जेद्दा में फेस्टिवल के दूसरे एडिशन के उद्घाटन समारोह के दौरान एक ऑनरी अवॉर्ड दिया जाएगा। लगभग सभी के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता और निर्माता बॉलीवुड के बादशाह हैं और दुनिया के सबसे सफल फिल्मी सितारों में से एक हैं। फिल्म उद्योग में तीन दशकों से अधिक समय के साथ, शाहरुख खान ने अपनी कोशिशों के लिए कई पुरस्कार और ढेर सारी तारीफ हासिल की, भारत और दुनिया भर में एक असाधारण करियर बनाया है। इसके अलावा, सेल्फ मेड स्टार बनने का उनका सफर वास्तव में सभी के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। रेड सी आईएफएफ के सीईओ मोहम्मद अल तुर्की ने इस पर बात करते हुए कहा, हम शाहरुख खान को सम्मानित करते हुए रोमांचित हैं, जो एक उल्लेखनीय प्रतिभा और ग्लोबल सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने शुरुआती प्रदर्शनों से दर्शकों को आकर्षित किया है और आज काम करने वाले दुनिया के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं। इंडस्ट्री में 30 सालों के बाद, शाहरुख खान भारतीय सिनेमा के सबसे सफल सुपरस्टारों में से एक हैं और दुनिया भर के दर्शकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। हम इस दिसंबर में जेद्दा में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

वेकेशन मनाने गईं तारक मेहता की बबीता जी का हुआ एक्सीडेंट

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो सभी का फेवरेट है। शो के हर किरदार ने दर्शकों के बीच एक अलग जगह बनाई है। बीते दिनों शो में चंपक चाचा का किरदार निभाने वाले एक्टर अमित भट्ट शूटिंग सेट पर घायल हो गए थे। अब शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता का भी एक्सीडेंट हो गया है। मुनमुन दत्ता ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके दी है। मुनमुन इन दिनों यूरोप घूमने निकली हैं। लेकिन दुर्भाग्य से जर्मनी में उनका एक्सीडेंट हो गया। अपनी इंस्टा स्टोरी में मुनमुन ने बताया, जर्मनी में मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हो गया था। मेरे बाएं घुटने में काफी चोट लगी है। इसलिए मुझे अपना टूर खत्म करके घर वापस लौटना पड़ा है। इसके साथ उन्होंने टूटे हुए दिल वाली इमोजी भी लगाई है। बता दें कि मुनमुन दत्ता बीते दिनों स्विट्जरलैंड के इंटरलेकन से ट्रेन से जर्मनी गई थीं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो से खूब पॉपुलैरिटी बटोरी हैं। वह इस शो में शुरुआत से नजर आती फिल्म हॉलिडे में भी नजर आ चुकी हैं।

ऋतिक ने सबा के साथ रहने की खबरों को किया खारिज

ऋतिक रोशन ने अपनी कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ रहने की सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वॉर स्टार और उनकी पार्टनर सबा जल्द ही एक साथ रहने वाले हैं। यह भी कहा कि वे यहां मन्नत नामक एक इमारत में एक अपार्टमेंट में एक साथ रहने की योजना बना रहे थे। हालांकि, ऋतिक ने ट्विटर पर इस अफवाह का खंडन करने के लिए कहा, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने अपने ट्विटर पर समाचार रिपोर्ट साझा की और कहा, एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, मैं समझता हूं कि मैं जिज्ञासा के दायरे में रहूंगा, लेकिन यह सबसे अच्छा है अगर हम गलत सूचनाओं को दूर रखें, खासकर हमारे रिपोर्ताज में, जो एक जिम्मेदारी का काम है। अभिनय के मोर्चे पर, उन्हें हाल ही में विक्रम वेधा में सैफ अली खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए देखा गया था। वह अगली बार फाइटर में दिखाई देंगे, जिसे दीपिका पादुकोण के साथ भारत की पहली एरियल एक्शन मैग्नम ओपस के रूप में पेश किया जाएगा।

कंसर्ट के बाद अचानक चली गई श्रेया की आवाज

बॉलीवुड की फेमस सिंगर श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। श्रेया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और बंगाली गानों में भी अपनी आवाज दी है। श्रेया घोषाल इन दिनों यूएस टूर पर है। इस बीच सिंगर ने फैंस के साथ एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। श्रेया घोषाल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करके बताया कि ऑरलैंडो कान्सर्ट के दौरान उनकी आवाज पूरी तरह से चली गई थी। डॉक्टर की मदद की वजह से वो अब ठीक है। इलाज के बाद श्रेया ने एक और कॉन्सर्ट अटेंड किया। श्रेया घोषाल ने लिखा, ऑरलैंडो में रात के म्यूजिक कान्सर्ट के बाद मैंने अपनी आवाज पूरी तरह खो दी। शुभचिंतकों के आशीर्वाद और डॉ. समीर भार्गव की बेहतरीन देखभाल के कारण मैं अपनी आवाज वापस पा सकी। इसके बाद मैं न्यूयॉर्क एरिना में 3 घंटे के संगीत समारोह में गा सकी। श्रेया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज मैं बहुत इमोशनल हूं। मैं अपने बैंड, फैम और अपनी ए टीम से बहुत प्यार करती हूं। उन्होंने मेरे सबसे अच्छे और बुरे दौर में मेरा साथ दिया है। मुझे साइन करने में मदद की चाहे कुछ भी हो। हालांकि वो फिलहाल बिल्कुल ठीक है। श्रेया घोषाल ने साल 2000 में रियलिटी शो सारे गा मा में भाग लिया था। इसके बाद संजय लीला भंसाली ने उन्हें 2002 में फिल्म देवदास से गाने का मौका दिया। श्रेया ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकी हैं।

इजराइल में मनाई गई 26/11 हमले की बरसी, निकाला गया कैंडल मार्च

जेरुसलम। कई इजाराइली नागरिक 2008 के मुंबई आतंकी हमले को 'साझा पीड़ा' मानते हैं और इसे लेकर देश में अभी तक आक्रोश है। लोगों ने इस हमले की बरसी को मनाने के लिए कई आयोजन किए और निर्मम हत्याओं की भर्त्सना की तथा इस नरसंहार की पाकिस्तान में साजिश रचने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भारत में हुए इस हमले की 14 वीं बरसी पर एक दिन पहले से ही इजराइल में भारतीय कैंडल लाइट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके हाथों में तख्तियां एवं बैनर हैं जिनपर इस निर्मम हमले की नृशंसता को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई हमले में पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के जिन आतंकवादियों का हाथ था, उन्हें न्याय के शिकंजे में लाया जाए। वर्ष 2008 में 26 नवंबर को मुंबई हमला शुरू हुआ था जो 29 नवंबर, 2008 तक चला था। इस हमले में कई विदेशी नागरिकों समेत 166 लोगों की जान गयी थी तथा 300 से अधिक घायल हुए थे। इस हमले की दुनियाभर में निंदा की गयी थी। भारतीय सुरक्षाबलों के हाथों नौ पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए थे। अजमल कसाब एकमात्र ऐसा आतंकवादी था जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर, 2012 को फांसी पर चढ़ा दिया गया था। इजराइल तेलंगाना एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि सोमा ने कहा, '' जिन आतंकवादियों ने वहशीपन के साथ महिलाओं, बच्चों एवं बेगुनाहों की हत्या की , उनकी पहचान कर उनका सफाया किया जाना चाहिए। दुनिया के देशों को उन राष्ट्रों पर न केवल वित्तीय पाबंदियां लगानी चाहिए बल्कि हर तरह से रोकना चाहिए जो आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं।' इजराइल में रह रहे तेलंगाना के लोगों ने इस नृशंस हमले में मारे गए लोगों की याद में रमात गन में एक कार्यक्रम किया एवं मोमबत्तियां जलायीं। उन्होंने इस हमले में जान गंवाने वाले छह यहूदियों का भी जिक्र किया एवं संकेत दिया कि यह भारत एवं इजराइल के बीच मजबूत रिश्ते को तोड़ने की सोची समझी कोशिश थी।

चीन में 'जीरो कोविड पॉलिसी' खिलाफ टूटा लोगों के सब्र का बांध, लॉकडाउन तोड़ घरों से निकल रहे चीनी

बीजिंग- चीन में 'जीरो कोविड पॉलिसी' की क्रूरता के खिलाफ अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है। प्रदर्शन की चिंगारी दुनिया की सबसे बड़ी iPhone बनाने वाली फॉक्सकॉन फैक्ट्री से निकलकर चीन के बाकी हिस्सों में पहुंच गई है। दक्षिणी चीन के ग्वांग्झाऊ शहर में अनिवार्य लॉकडाउन तोड़कर लोग अपने घरों से निकल रहे हैं और शून्य कोविड नीति के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। लोग ग्वांग्झाऊ सिटी से बीजिंग की तरफ आ रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए हाईवे पर मिट्टी डालकर उसे बंद कर दिया गया है। नए भर्ती किए गए फॉक्सकॉन कर्मचारियों और चाइना पीपल्स पुलिस के बीच उस होटल में 24 नवंबर (रात) से संघर्ष जारी है, जहां कर्मचारियों को क्वारंटाइन किया गया है। श्रमिक चिल्ला रहे हैं, 'पुलिस लोगों को पीट रही हैज्पुलिस ने लोगों को मार डाला। उन अवैध एजेंटों को गिरफ्तार किया जाए' दरअसल, चीन में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक 25 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार चीन में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोनावायरस संक्रमण के 32,943 मामले सामने आए हैं, जो कल की तुलना में 1287 अधिक हैं। कोरोना संक्रमण में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए प्रमुख शहरों में लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी गई है। ग्वांग्झाऊ के 8 जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को 5 दिनों तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं। लोग इस क्रूर लॉकडाउन का सड़कों पर उतरकर विरोध कर रहे हैं। चीन के दक्षिणी शहर ग्वांग्झाऊ और दक्षिण-पश्चिमी चोंगकिंग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हालांकि चेंग्दू, जिनान, लान्चो, जियान और वुहान जैसे शहरों में प्रतिदिन सैकड़ों नए संक्रमण दर्ज किए जा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग ने गुरुवार को 509 लक्षण वाले और 1,139 बिना लक्षण वाले मामलों की तुलना में गुरुवार को 424 लक्षण वाले और 1,436 बिना लक्षण वाले मामले सामने आए हैं। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने बताया कि चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई ने शुक्रवार को 9 सिंप्टोमेटिक और 77 एसिंप्टोमेटिक मामले दर्ज किए, जबकि गुरुवार को 9 सिंप्टोमेटिक और 58 एसिंप्टोमेटिक मामले सामने आए थे।

पाकिस्तान : सेना प्रमुख बाजवा की सम्पति बारे जानकारी लीक मामले में 2 अधिकारी निलंबित

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के कर विभाग ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और उनके परिवार के कर के बारे में जानकारी लीक होने के मामले में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। शुक्रवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी। वित्त मंत्री इसहाक डार द्वारा शुरू की गई जांच के बाद यह निर्णय लिया गया। खोजी वेबसाइट 'फैक्ट फोकस' की एक खबर में कहा गया है कि बाजवा और उनके परिवार के सदस्यों के कर संबंधी दस्तावेज ऑनलाइन पोस्ट किए गए थे। वेबसाइट की खबर में आरोप लगाया गया था कि देश के सेना प्रमुख के रूप में उनके छह साल के कार्यकाल में बाजवा और उनके परिवार की संपत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है।

रूस ने अमेरिका व पश्चिमी देशों को दी चेतावनी, कहा- यूक्रेन को 'मदद की चुकानी पड़ेगी कीमत'

रूस के आक्रमणँ रूसी सांसद फ्रेंच ब्राडकास्टर ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के सहयोगी अमेरिका व पश्चिमी देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। रूस के ओर से यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन का साथ देने की बात कही है। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि वह यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा, क्योंकि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है। रूस की स्टेट ड्यूमा सदस्य प्योत्र टालस्टाय ने चेतावनी दी है कि सर्दियों से पहले बिजलीघरों पर हमलों में कोई कमी नहीं आने वाली है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन को 18वी सदी में वापस धकेल दिया जाएगा। यूनाइटेड रशिया पार्टी के एक सदस्य ने कहा है कि यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाएगा। यूक्रेन को 18वीं सदी में वापस धकेल दिया जाएगा। बता दें कि हाल में रूसी सेना की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में कई मिसाइलें दागी गईं थीं। रूसी सेना ने ईरान निर्मित ड्रोनों के जरिए यूक्रेन के ऊर्जा सेक्टर पर जबरदस्त गोलीबारी की थी। रूसी सेना का मकसद यूक्रेन के ऊर्जा सेक्टर को तबाह करना था। इसके पीछे रूस की बड़ी रणनीति थी। रूसी सेना ठंड के मौसम से पहले यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों को समाप्त करना चाहती है, ताकि तापमान शून्य से नीचे गिरने के पर इसकी पावर ग्रिड को तबाह किया जा सके। गौरतलब है कि यूक्रेन जंग के नौ महीने पूरे हो चुके हैं। रूसी सेना इस जंग में यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है, ताकि कीव को घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सके। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी सेना जानबूझकर यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बना रही है। इस हमले में हजारों मासूम नागरिक मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 वर्ष पहले भी सोवियत संघ नीतियों के कारण होलोडोमर अकाल में लाखों यूक्रेनियन भूख से मर गए थे। अब रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध के तहत मार रहा है।

पशु नमूने में सफल परीक्षण ने सार्वभौमिक फ्लू टीके की रणनीति का मार्ग प्रशस्त किया

वाशिंगटन, इन्फ्लूएंजा वायरस के सभी 20 ज्ञात स्वरूपों की रोकथाम के लिए बनाया गया एक प्रयोगात्मक एमआरएनए-आधारित टीका प्रारंभिक परीक्षणों में घातक फ्लू स्वरूपों से व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में कारगर साबित हुआ है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अमेरिका के पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं ने कहा कि यह टीका भविष्य में फ्लू महामारी के खिलाफ एक सामान्य निवारक कदम के रूप में उपयोगी साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार, जानवरों के नमूनों में किए गए परीक्षणों से पता चला है कि जब इन जानवरों को उन फ्लू स्वरूपों के संपर्क में लाया गया, जिनका टीका बनाते समय इस्तेमाल नहीं हुआ था, तो भी इस टीके ने बीमारी के लक्षणों को कम किया और मौत से बचाव किया।

जान के खतरे के बावजूद लॉन्ग मार्च को संबोधित करेंगे इमरान, पाक गृह मंत्री ने बातचीत के लिए किया आमंत्रित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि जानलेवा हमलों के बाद उत्पन्न हुए खतरों के बावजूद अपनी पार्टी द्वारा नियोजित लॉन्ग मार्च को संबोधित करने के लिए शनिवार को रावलपिंडी जाने के लिए दृढ़ हैं और जनता से गैरीसन शहर में पहुंचने का आह्वान किया। इमरान ने इसे देश के लिए एक ÷निर्णायक समय÷ बताया है। खान 3 नवंबर को एक हत्या के प्रयास के दौरान लगी गोली के घाव से उबर रहे हैं, रावलपिंडी में अपने समर्थकों को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का विरोध, एक नए आम चुनाव की मांग लिए ये मार्च ÷पूरी तरह से शांतिपूर्ण÷ होगा।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय खान ने शुक्रवार को कहा कि घायल होने के बावजूद वह राष्ट्र की खातिर रावलपिंडी जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विरोध आंदोलन के लिए जनता से गैरीसन सिटी पहुंचने का आह्वान किया। कल रावलपिंडी जा रहा हूं क्योंकि यह देश में निर्णायक समय है। हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसका कायदे आजम और अल्लामा इकबाल ने सपना देखा था।

क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने एक बार फिर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उनका मानना है कि इससे देश डिफ़ॉल्ट और राजनीतिक उथल-पुथल से बच जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रावलपिंडी में अपने भाषण के दौरान अपनी अगली रणनीति का खुलासा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व उनके और सेना के बीच विवाद चाहते हैं। तमाम कवायदों के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने पाकिस्तान की प्रगति के लिए इमरान को लॉन्ग मार्च स्थगित करने, संसद में लौटने के लिए कहा और बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

चीन के राष्ट्रपति शी ने मूल हितों पर क्यूबा का समर्थन करने का संकल्प लिया

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके क्यूबाई समकक्ष ने एक-दूसरे के कम्युनिस्ट देशों के ''मूल हितों'' का परस्पर समर्थन करने का संकल्प लिया है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कानेल बर्मुडेज से शी ने कहा है कि चीन क्यूबा के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मामलों में समन्वय व सहयोग मजबूत करने की उम्मीद करता है।

चीन सरकार की एक प्रेस विज्ञप्ति में शी के हवाले से कहा गया है कि दोनों देश एक दूसरे की विशेषताओं के साथ समाजवाद के रास्ते पर कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। चीन आमतौर पर मूल हितों को अपने दावे वाले क्षेत्रों, खासतौर पर ताईवान पर नियंत्रण के अलावा देश के आर्थिक एवं राजनीतिक विकास लक्ष्यों के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, चीन सरकार की विज्ञप्ति में कोई विशेष मुद्दा या अन्य देश का उल्लेख नहीं किया गया है। मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागीन खुरेलसुख और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के अगले हफ्ते बीजिंग की यात्रा करने का कार्यक्रम है।

सत्ता पर कब्जे की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया पदों पर नियुक्तियों को सार्वजनिक करेगा

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री द्वारा गोपनीय तरीके से खुद को कई मंत्रालयों में नियुक्त करने के खिलाफ जारी जांच के तहत शुक्रवार को सिफारिश की गई कि सरकार में भरोसे को संरक्षित रखने के लिहाज से इस तरह की सभी नियुक्तियों को भविष्य में सार्वजनिक किया जाए। प्रधानमंत्रीएंथनी अल्बनीस ने कहा कि वह अपनी कैबिनेट से सिफारिश करेंगे कि अगले हफ्ते बैठक के दौरान सेवानिवृत्त न्यायाधीश की सभी सिफारिशों को स्वीकार करे। अल्बनीस ने गत अगस्त में जांच का आदेश दिया था।

अल्बनीस ने यह कदम उस खुलासे के बाद उठाया जिसमें कहा गया है कि मार्च 2000 और मई 2001 के बीच पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए खुद को पांच मंत्रियों की भूमिका के लिए नियुक्त किया था और इसकी जानकारी मौजूदा मंत्रियों को आमतौर पर नहीं थी। सत्ता पर कब्जे की यह असाधारण घटना मॉरिसन के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव गठबंधन की गत मई मेंचुनाव में हार के बाद सामने आई। इसके पहले कंजर्वेटिव गठबंधन सरकार नौ साल तक सत्ता में रही।

उनके इस अभूतपूर्व कदम को ऑस्ट्रेलिया की राजनीति की उस व्यापक परिपाटी के हिस्से के रूप में देखा गया जिसके तहत सत्ता को नेता के कार्यालय में केंद्रित किया जाता है। अल्बनीस ने पूर्व सरकार की गोपनीयता की संस्कृति पर दोषारोपण करते हुए कहा कि इसके कारण इसके नेताओं के पास व्यक्तिगत रूप से सत्ता का असाधारण संकेंद्रण हो गया। उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश वर्जिनिया बेल ने अपनी जांच में सफारिश की है कि मंत्रियों की नियुक्ति से संबंधित सार्वजनिक नोटिस को सार्वजनिक करने के लिए कानून बनाने की जरूरत है।

मॉरिसन अपने वकीलों के माध्यम से जांच में सहयोग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने निजी तौर पर कोई साक्ष्य नहीं दिया है। फिलहाल प्रतिपक्ष के सांसद के रूप में कार्यरत मॉरिसन ने कहा है कि उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के कारण आपात कदम के तहत स्वास्थ्य, वित्त, राजकोष, संसाधान एवं आवास मामलों के मंत्रालय खुद को आवंटित किये।

अल्बनीस ने कहा, ''हम उस छद्म सरकार पर चमकदार प्रकाश डाल रहे हैं जो अंधेरे में कार्य करने को प्राथमिकता देती है, एक सरकार जो गोपनीयता और छिपाने-ढंकने की संस्कृतिक के तहत काम करती है और जिसने केवल असुविधा के आधार पर संसद की ओर से छानबीन को अहंकारपूर्वक खारिज कर दिया।'' मॉरिसन ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा, ''एक प्रधानमंत्री के रूप में मैं अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन इस प्रकारन करना चाहता था कि ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय हितों और देश की जनता के कल्याण की भलीभांति रक्षा करने समेत इसे आगे बढ़ाया जा सके।''

मॉरिसन ने कहा कि यह सब ऐसी अहम चुनौती के समय समय किया गया जिसे द्वितीय विश्वयुद्ध और महान मंदी के बाद से अब तक नहीं देखा गया था। न्यायाधीश बेल ने पाया कि मॉरिसन को 'डुप्लीकेट' मंत्री बनाना गैर जरूरी था, क्योंकि मूल मंत्री के कोविड-19 के कारण अक्षम होने होने पर एक सक्रिय मंत्री को मिनटों में नियुक्त किया जा सकता था। अल्बनीस ने मॉरिसन के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया क्योंकि मामला अभी अदालत में है।

स्थानीय चुनाव के जरिये बढ़ती शत्रुता के बीच ताइवान का चीन को सीधा संदेश, राष्ट्रपति ने कहा- दुनिया देख रही है...

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान में शनिवार को स्थानीय चुनावों के लिए मतदान शुरू हो गया। राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने चीन की बढ़ती शत्रुता के सामने अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए द्वीप के दृढ़ संकल्प के बारे में दुनिया को एक संदेश देने के रूप में इस चुनाव को प्रजेंट किया है। महापौरों, काउंटी प्रमुखों और स्थानीय पार्षदों के चुनाव स्पष्ट रूप से घरेलू मुद्दों जैसे कि कोविड-19 महामारी और अपराध के बारे में हैं और चुने गए लोगों का चीन नीति पर सीधा कहना नहीं होगा। लेकिन त्साई ने चुनाव को एक स्थानीय मतदान से अधिक होने के रूप में दोहराया है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया देख रही है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के बीच ताइवान अपने लोकतंत्र की रक्षा कैसे करता है, जो द्वीप को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है। त्साई ने समर्थकों से कहा, 'ताइवान मजबूत बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। चीनी अधिनायकवाद का विस्तार हर दिन ताइवान के लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र की निचली रेखा का पालन करने के लिए चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा है कि दुनिया देख रही है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के बीच ताइवान अपने लोकतंत्र की रक्षा कैसे करता है। चीन ने अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइपे की यात्रा पर नाराजगी व्यक्त करने के लिए अगस्त में ताइवान के पास युद्धाभ्यास किया और उसकी सैन्य गतिविधियां जारी रहीं। उन्होंने कहा कि

हम संयुक्त राज्य अमेरिका के करीब होने जापान के साथ मित्रवत होने और मुख्य भूमि के साथ शांति बनाए रखने की वकालत करते हैं। केएमटी के अध्यक्ष एरिक चू ने शुक्रवार देर रात अपने समर्थकों से कहा, ताइवान को शांतिपूर्ण और स्थिर विकास का समृद्ध भविष्य दें। चुनाव चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस के एक महीने बाद हो रहा है, जहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कार्यालय में एक अभूतपूर्व तीसरा कार्यकाल हासिल किया - एक बिंदु त्साई ने अभियान के निशान पर बार-बार बनाया है।

विनाशकारी हमलों के बाद बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटा यूक्रेन

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि जानलेवा हमलों के बाद उत्पन्न हुए खतरों के बावजूद अपनी पार्टी द्वारा नियोजित लॉन्ग मार्च को संबोधित करने के लिए शनिवार को रावलपिंडी जाने के लिए दृढ़ हैं और जनता से गैरीसन शहर में पहुंचने का आह्वान किया। इमरान ने इसे देश के लिए एक ÷निर्णायक समय÷ बताया है। खान 3 नवंबर को एक हत्या के प्रयास के दौरान लगी गोली के घाव से उबर रहे हैं, रावलपिंडी में अपने समर्थकों को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का विरोध, एक नए आम चुनाव की मांग लिए ये मार्च ÷पूरी तरह से शांतिपूर्ण÷ होगा।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय खान ने शुक्रवार को कहा कि घायल होने के बावजूद वह राष्ट्र की खातिर रावलपिंडी जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विरोध आंदोलन के लिए जनता से गैरीसन सिटी पहुंचने का आह्वान किया। कल रावलपिंडी जा रहा हूं क्योंकि यह देश में निर्णायक समय है। हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसका कायदे आजम और अल्लामा इकबाल ने सपना देखा था।

क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने एक बार फिर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उनका मानना ??है कि इससे देश डिफ़ॉल्ट और राजनीतिक उथल-पुथल से बच जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रावलपिंडी में अपने भाषण के दौरान अपनी अगली रणनीति का खुलासा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व उनके और सेना के बीच विवाद चाहते हैं। तमाम कवायदों के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने पाकिस्तान की प्रगति के लिए इमरान को लॉन्ग मार्च स्थगित करने, संसद में लौटने के लिए कहा और बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

बैन हटने के बाद भी ट्वीट नहीं कर रहे डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क बोले- क्या फर्क पड़ता है, हमने अपनी गलती ठीक कर दी

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बहाल हुए कुछ दिन हो चुके हैं, लेकिन कभी इस प्लेटफॉर्म पर बेहद सक्रिय रहे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने अभी तक कुछ ट्वीट नहीं किया है। हालांकि यह एलोन मस्क को परेशान नहीं करता है। नए ट्विटर बॉस ने व्यक्त किया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के खाते को बहाल करना ट्विटर की ओर से एक 'गंभीर गलती' को सुधारने के बारे में है। मस्क ने एक ट्वीट के जवाब में लिखा मैं ट्रम्प के ट्वीट न करने से परेशान नहीं हूं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून या सेवा की शर्तों का कोई उल्लंघन नहीं होने के बावजूद, ट्विटर ने उनके खाते पर प्रतिबंध लगा हुआ था जिसे अब सुधारा गया हैं। एक मौजूदा राष्ट्रपति को ट्विटर से हटाकर अमेरिका के आधे हिस्से के लिए ट्विटर पर सार्वजनिक विश्वास को कम कर दिया गया था। ऐसा करके ट्विटर अपने विश्वास को बनाए रखाना चाहता हैं।

एलोन मस्क ने बहाल किए बैन ट्विटर अकाउंटः सोशल मीडिया मंच ट्विटर के नए मालिक एलोन मस्क ने कहा कि वह निलंबित खातों को ''माफी'' दे रहे हैं। मस्क ने ट्विटर पर एक 'पोल' जारी किया था जिसमें लोगों से उन खातों की

बहाली को लेकर अपनी राय जाहिर करने को कहा गया था जिन्होंने ''कानून नहीं तोड़ा है या किस तरह के 'स्पैम' में लिप्त नहीं थे।'' ऐसे खातों की बहाली के लिए 72 प्रतिशत वोट किए गए। मस्क ने 'पोल' के नतीजों के बाद लिखा, '' लोगों ने अपना फैसला सुना दिया है। अगले सप्ताह से माफी दी जाएगी। लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है।''

पुरानी गलती को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं मस्कः मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खाता बहाल करते हुए पिछले सप्ताह भी लातिन के इसी मुहावरे ''लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है'' का इस्तेमाल किया था। वर्ष 2020 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद कथित तौर पर ट्रंप समर्थकों द्वारा अमेरिकी कैपिटल (संसद भवन) में हिंसा किए जाने के कुछ दिन बाद जनवरी 2021 में उनका खाता स्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। खाता बहाल होने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह ट्विटर पर वापसी नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना खाता 'डिलीट' भी नहीं किया है।

हालांकि, ऑनलाइन सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मस्क के इस फैसले से उत्पीड़न, अभद्र और गलत सूचना के प्रसार में वृद्धि होगी। इस बीच, बृहस्पतिवार को प्रकाशित यूरोपीय संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर ने घृणित सामग्री की समीक्षा करने में अधिक समय लिया और 2021 की तुलना में इस वर्ष ऐसे सामग्री को कम हटाया गया। अध्ययन में शामिल आंकड़े मस्क के ट्विटर का मालिक बनने से पहले के हैं।

ट्रंप ट्वीट क्यों नहीं कर रहे हैं?: 2017 में ट्रम्प ने कहा कि वह ट्विटर के बिना भी अमेरिका के राष्ट्रपति बन सकते हैं। ट्विटर को मुखपत्र के रूप में इस्तेमाल करने वाले ट्रंप को 8.8 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने फॉलो किया। उन्होंने कहा, 'ट्विटर मेरे लिए एक अद्भुत चीज है, क्योंकि मैं इस जगह अपने विचारों को रखता हूं। अगर मेरे पास शब्द निकालने का एक ईमानदार तरीका नहीं होता, तो शायद मैं अभी राष्ट्रपति के रूप में आपसे बात नहीं कर रहा होता।'

वैज्ञानिकों ने समुद्र की सतह से हजारों फुट नीचे काले मूंगे की पांच नयी प्रजातियों का पता लगाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन। (द कन्वरसेशन) रिमोट संचालित एक पनडुब्बी का उपयोग कर मेरे सहकर्मियों और मैंने आस्ट्रेलिया तट के पास ग्रेट बैरियर रीफ और कोरल सागर में 2,500 फुट (760मीटर) की गहराई में काले मूंगे की पांच प्रजातियों की खोज की है। काले मूंगे उथले जल से लेकर 26,000 फुट (8,000) मीटर की गहराई तक बड़े होते पाये जाते हैं और कुछ मूंगे (प्रवाल) का जीवन काल 4,000 वर्षों से अधिक तक होता है। इनमें से कई मूंगे पंख और झाड़ियों की तरह दिखते हैं, जबकि अन्य गुच्छे जैसे नजर आते हैं।

उथले जल में पाई जाने वाले अन्य मूंगों के उलट वे ऊर्जा प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी और प्रकाश संश्लेषण पर निर्भर करते हैं। मैं और आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की एक टीम ने 2019 और 2020 में स्मिद ओशन इंस्टीट्यूट के दूरस्थ संचालित यान-सुबास्टिन नाम की एक पनडुब्बी- का इस्तेमाल ग्रेट बैरियर रीफ और कोरल सागर का अन्वेषण करने के लिए किया। हमारा लक्ष्य 130 फुट से लेकर 6,000 फुट तक की गहराई में पाये जाने वाले मूंगे के नमूने एकत्र करना था। पूर्व में, इस क्षेत्र के गहरे हिस्से में मूंगे उन पद्धतियों का इस्तेमाल कर एकत्र किये गये जिनमें वे अक्सर नष्ट हो जाते थे। हमने गहरे जल की पारिस्थितिकी में एक रोबोट उतारा, जिससे हमारी टीम गहरे समुद्र में मूंगे को उनके प्राकृतिक अधिवास में एकत्र कर पाई।

31 बार गोता लगाने के दौरान मेरे सहकर्मियों और मैंने काले मूंगे की 60 प्रजातियां एकत्र की। हमने रोबोट का इस्तेमाल कर मूंगे को सावधानीपूर्वक रेतीली सतह या प्रवाल भित्ति से अलग किया, मूंगे को एक दबाव वाले, तापमान नियंत्रित भंडारण बक्से में रखा और उन्हें सतह तक लाया। हम मूंगे की भौतिक विशेषताओं की पड़ताल करेंगे और उनके डीएनए का अनुक्रमण करेंगे। मूंगे की कई प्रजातियों में पांच नयी प्रजातियां शामिल हैं जिनमें एक को हमने 2,500 फुट से अधिक की गहराई में बड़ा होते हुए पाया। हालिया शोध ने गहरे समुद्र के बारे में यह जानकारी दी है कि उनमें जीवविज्ञानियों के अनुमान से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं।

विश्व में काले मूंगे की सिर्फ 300 ज्ञात प्रजातियां पाये जाने की धारणा के बीच एक सामान्य स्थान पर पांच नयी प्रजातियों का पाया जाना हमारी टीम के लिए बहुत हैरान करने वाला उत्साहजनक था। कई काले मूंगे आभूषण के लिए अवैध दोहन किये जाने के कारण खतरे का सामना कर रहे हैं। इन समृद्ध अधिवास के स्मार्ट संरक्षण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से शोधकर्ताओं के लिए यह जरूरी है कि इन गहरे स्थानों पर किस तरह की प्रजातियां रहती हैं और प्रत्येक प्रजाति की भोगौलिक श्रृंखला क्या है। जब भी वैज्ञानिकों ने गहरे

सागर का अन्वेषण किया, उन्होंने नयी प्रजातियों का पता लगाया। जीवविज्ञानी जितनी अधिक संख्या में प्रजातियें का पता लगाएंगे हम उनके उदविकास के इतिहास को समझने में उतने सक्षम होंगे। इसमें यह भी शामिल है कि उन्होंने कम से कम चारबार विलुप्ति का कैसे सामना किया। मेरे सहकर्मियों और मेरे लिए अगला कदम समुद्र के तल का अन्वेषण जारी रखना है।

बिहार में ट्रेन इंजन के पुर्जे चोरी होने के मामले में 95 फीसदी सामान बरामद होने का दावा

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार के बेगूसराय जिले के बरौनी रेलवे यार्ड से कई डीजल लोकोमोटिव इंजन के पुर्जे कथित तौर पर चोरी होने की खबर मीडिया में आने के एक दिन बाद शनिवार को रेलवे अधिकारियों ने दावा किया कि चोरी किए गए लगभग 95 फीसदी सामान अब तक बरामद किए जा चुके हैं। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) बीरेंद्र कुमार ने शनिवार को बातचीत में कहा कि उक्त मामले में अब तक कम से कम सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ स्थानों से चोरी किए गए रेलवे के सामान का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से चोरों ने डीजल इंजनों के ट्रैक्शन मोटर्स से महंगे तांबे के केबल चुरा लिए। जोन में रेलवे खंडों के विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप उपयोग में नहीं होने के कारण कई पुराने डीजल इंजन को शेड में रखा गया है। सीपीआरओ ने कहा कि इन इंजन को स्पेयर के रूप में रखा गया था, क्योंकि लगभग 90 प्रतिशत रेलवे खंड का विद्युतीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि इन इंजन का गैर डीजल क्षेत्रों में बहुत कम उपयोग किया जाता है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि चोरों ने इंजन के केवल भारी हिस्से चुराए, पूरे इंजन को नहीं (जो मानवीय रूप से संभव नहीं है) जैसा कि कुछ मीडिया खबरों में बताया गया है। लेकिन सीपीआरओ ने यह नहीं बताया कि शेड में खड़े कितने इंजन में चोरी की गई। बीरेंद्र कुमार ने भी स्पष्ट किया कि चोरों ने यार्ड के लिए सुरंग नहीं खोदी थी जैसा कि कुछ मीडिया हाउस की खबरों में कहा गया था। उन्होंने संभावना जताई कि टूटी चहारदीवारी को फांदकर चोर यार्ड में प्रवेश किए होंगे। यह भी आशंका जताई जा रही है कि वे (चोर) चहारदीवारी के निचले हिस्से को तोड़कर यार्ड में घुसे होंगे। फिलहाल यार्ड के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बहुत जल्द और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। पिछले सप्ताह बरौनी थाने में गरहरा यार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए डीजल इंजन की चोरी का मामला दर्ज किया गया था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कश्मीर में फ़ारसी भाषा को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के तहत लगाई गई अनूठी प्रदर्शनी

जम्मू। कश्मीर में फ़ारसी भाषा को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के तहत हाल ही में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इंफोटेक कश्मीर और हेल्प फाउंडेशन की ओर से संयुक्त रूप से किये गये इस आयोजन में 20वीं सदी के प्रसिद्ध फारसी लेखक और कवि ख्वाजा मुहम्मद अमीन दरब की दुर्लभ पांडुलिपियों के अलावा कश्मीरी संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण चीजें प्रदर्शित की गयी थीं। इस प्रदर्शनी में ख्वाजा मुहम्मद अमीन दरब द्वारा लिखित 11 पुस्तकों सहित लगभग 73 दुर्लभ पांडुलिपियों को प्रदर्शन के लिए रखा गया। हम आपको बता दें कि इतिहास में उल्लेख मिलता है कि 14वीं से 19वीं शताब्दी तक कश्मीर में प्रशासन की भाषा के रूप में फारसी को महत्व दिया गया और उस समय तमाम लेखन फारसी में लिखे गए। इसलिए ईरान उपक्षेत्र कहे जाने वाले कश्मीर में इस अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है। इस प्रदर्शनी में नील आर्मस्ट्रांग के चंद्र अवतरण का कालक्रम तो प्रदर्शित किया ही गया साथ ही 1923 में राजगद्दी पर बैठने पर डोगरा महाराजा हरि सिंह को श्रीनगर के व्यापारियों का बधाई संदेश भी दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी के संयोजक सलीम बेग का कहना है कि इन दुर्लभ पांडुलिपियों को जन-जन तक पहुँचाया जाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी इस महान इतिहास से परिचित हो सके और उस पर गर्व कर सके। इस प्रदर्शनी के दौरान एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन पर प्रभासाक्षी से बातचीत करते हुए छात्रों ने कहा कि फारसी भाषा के बारे में हमें जानकर बहुत अच्छा लगा और कई नई चीजें पता लगीं।

मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के 14 साल पूर होने पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले की 14वीं बरसी पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस गेटवे ऑफ इंडिया और ताज होटल के बाहर श्रद्धांजलि देने वालों में शामिल हुए। ह्ष्टक्सांसद सुप्रिया सुले ने भी मुंबई आतंकी हमला की 14वीं बरसी पर मुंबई में तुकाराम ओंबले स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की, जिन्होंने 14 साल पहले 26 नवंबर को शहर पर हमला करने वाले आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय के परिसर में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री दीपक केसरकर, मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव, राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ, मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान नवंबर 2008 में इन हमलों में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 10 पाकिस्तानी आतंकवादी 26 नवंबर, 2008 को समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उनके हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 मारे गए थे तथा कई अन्य लोग घायल हुए थे। इसके अलावा करोड़ों रुपये की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। यह हमला 26 नवंबर को शुरू हुआ था और 29 नवंबर तक चला था। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट, ताजमहल पैलेस एंड टॉवर, लियोपोल्ड कैफे, कामा अस्पताल, नरीमन सामुदायिक केंद्र जैसे स्थानों को निशाना बनाया गया था। अजमल कसाब एकमात्र आतंकवादी था जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर, 2012 को फांसी दे दी गई थी।

विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में बनर्जी से शुभेंदु ने की शिष्टचार भेंट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों के बाद पहली बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच शुक्रवार को ''शिष्टाचार भेंट'' हुई। विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री के कक्ष में हुई इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलबाजियां शुरू हो गयी हैं। बाद में सदन में संविधान दिवस पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक समय उन्हें (शुभेंदु को) भाई की तरह मानती थीं। दोनों के बीच 2020 के अंत से ही अनबन शुरू हो गयी थी, जब अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया था तथा विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम में टीएमसी सुप्रीमो बनर्जी को हराया था। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब अधिकारी ने शिकायत की कि उनका नाम विधानसभा में संविधान दिवस कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में शामिल नहीं किया गया है। भाजपा नेता ने यह भी कहा था कि वह कार्यक्रम का बहिष्कार करेंगे। दोपहर में भोजनावकाश के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद नंदीग्राम के विधायक अधिकारी को भाजपा विधायकों मनोज तिग्गा और अग्निमित्रा पॉल के साथ मुख्यमंत्री के कक्ष में प्रवेश करते देखा गया। बैठक के बाद बनर्जी ने कहा, ''मैंने शुभेंदु को चाय के लिए आमंत्रित किया था।'' अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''यह सिर्फ एक शिष्टाचार मुलाकात थी। इसका कोई और निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। मैंने चाय नहीं पी।'' कांग्रेस नेता कमुरजान चौधरी ने शिष्टाचार मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, ''दीदी-मोदी पैच-अप'' की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, ''केंद्र ने कल प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना के लिए धन जारी किया और बनर्जी पांच दिसंबर को मोदी से मिलने वाली हैं। आज मुख्यमंत्री ने शुभेंदु से मुलाकात की। ये सभी इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि 'दीदी-मोदी पैच-अप' की प्रक्रिया चल रही है।'' मार्क्सवादी कम्युनिस्ट माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए कहा, ''आज की बैठक से यह साफ हो गया है कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सहमति है।

गुजरात चुनाव में भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत, बड़े नेताओं ने तीन सप्ताह में 150 से अधिक सभाएं कीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य विधानसभा के पिछले चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन किया था और शायद इसी से सबक लेते हुए उसने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य में पहले चरण के मतदान से पहले और पिछले 20 दिनों में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित आधा दर्जन मुख्यमंत्री और अन्य केंद्रीय नेता लगभग 150 छोटी-बड़ी चुनावी जनसभाएं कर चुके हैं। इनमें तीन दर्जन से अधिक जनसभाएं तो सिर्फ मोदी और शाह ने संबोधित की हैं। इन दोनों के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री और जाति व क्षेत्र विशेष से नाता रखने वाले नेता भी राज्य के धुआंधार दौरे पर हैं। चुनावी रणनीति से जुड़े भाजपा के एक नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री आगामी रविवार को खेड़ा, नेतरांग और सूरत में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे तथा पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इसके अगले दिन वह चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, उनकी सभाएं पलटाना, अंजार, जामनगर और राजकोट में भी प्रस्तावित हैं। शाह अमरेली, भावनगर, वड़ोदरा और अहमदाबाद की विभिन्न सीट पर प्रचार करने के बाद अन्य क्षेत्रों में प्रचार अभियान का मोर्चा संभालेंगे जबकि नड्डा पार्टी का संकल्प पत्र जारी होने के बाद हिम्मतनगर में रोड शो करेंगे।

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना आठ दिसंबर को की जाएगी। पहले चरण में कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर-सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड़ जिलों की 89 सीट पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 788 प्रत्याशी मैदान में हैं। निर्वाचन आयोग ने तीन नवंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी और इसके साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण गुजरात के आदिवासी बहुल वलसाड जिले की कपराड़ा से छह नवंबर को भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज किया था। अगले दिन मोदी ने सोमनाथ में पूजा-अर्चना करने के बाद वेरावल, धोराजी, अमरेली और बोताड़ में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। दिन भर रैली करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी की थी। मोदी ने इसके अगले दिन तीन चुनावी सभाएं कीं। उन्होंने पहली सभा सुरेंद्रनगर में, दूसरी जंबूसार और तीसरी नवसारी में की। प्रधानमंत्री ने 23 और 24 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वड़ोदरा, भावनगर, पालनपुर मोडासा, दहेगाम और बावला में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री अपनी सभाओं में ज्यादातर समय भाजपा शासन में राज्य में किए गए विकास कार्यों को रेखांकित करते हैं और साथ ही ''डबल इंजन'' की सरकार होने के फायदे भी गिनाते हैं। केंद्र व राज्य में एक ही पार्टी की सरकार को भाजपा ''डबल इंजन'' की सरकार कहकर पुकारती है।

प्रधानमंत्री सहित अन्य भाजपा नेता इसे मुद्दा बनाते हुए हर चुनावी जनसभा में उठा रहे हैं। हाल ही में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि गुजरात का यह चुनाव न तो विधायक और न ही सरकार चुनने को लेकर है, बल्कि यह अगले 25 साल के लिए राज्य की किस्मत तय करने को लेकर है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और गुजरात की सरकारों ने राज्य में विकास के बहुत सारे काम किए हैं लेकिन अब समय ''लंबी छलांग'' लगाने का है। भाजपा के नेता अपनी चुनावी जनसभाओं में विकास के मामले में गुजरात को सबसे अग्रणी राज्य बता रहे हैं और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को दे रहे हैं। वे प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस और आक्रामक तरीके से चुनाव लड़ रही दिल्ली व पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधने का कोई मौका भी नहीं गंवा रहे हैं। गुजरात में मोदी के बाद सबसे बड़े स्टार प्रचारक की भूमिका में अमित शाह दिख रहे हैं। वह भी अब तक डेढ़ दर्जन के करीब चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। उन्होंने नन्दोड सहित कुछ क्षेत्रों में रोड शो भी किए हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शुमार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अब तक गुजरात में चुनाव प्रचार से दूर रहे हैं।

हम चीन से 1962 युद्ध हार चुके हैं, यह बात भूले नहीं हैं, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- हमें ताकत बढ़ानी होगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)। 26/11 मुंबई हमले पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि इतने वर्षों बाद भी जिन लोगों ने मुंबई हमले की योजना बनाई थी, उन्हें सजा नहीं मिली है। यह ऐसा मुद्दा है जिसे हम अत्यधिक महत्व देते हैं। हम बहुत से ऐसे देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जिनके नागरिकों ने इस आतंकी हमले में जान गंवाईं हैं। हमने दो विशेष मित्रों और पड़ोसियों के रूप में भूटान के साथ भारत के द्विपक्षीय सहयोग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है।

1962 के युद्ध को हम नहीं भूले: चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हमारा निकटतम पड़ोसी है। लेकिन उसके साथ हमारा एक कटु इतिहास रहा है। वो इतिहास 1950 के दशक और पाकिस्तान के साथ चीन के संबंधों तक जाता है। जहां तक सुरक्षा से संबंधित चिंताओं की बात है तो इससे निपटने का सही तरीका ये है कि जरूरत के अनुसार हम मजबूत और दृढ़ रहे। हम चीन के साथ 1962 का युद्ध हार चुके हैं। ये बात हमें प्रभावित करना जारी रखे हुए है। चीन ने हमसे बरसों पहले ही आर्थिक सुधार शुरू कर दिया था। हमारे देश में कई साल बाद आर्थिक सुधार शुरू किया गया।

पीएसएलवी-सी54 रॉकेट के लॉन्च पर विदेश मंत्री ने कहा कि डॉ. एस जयशंकर, ओशनसैट-3 और 9 नैनोसैटेलाइट ले जा रहे हैं, जिसमें भूटान का एक उपग्रह भी शामिल है। हमने दो विशेष मित्रों और पड़ोसियों के रूप में भूटान के साथ भारत के द्विपक्षीय सहयोग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। इसरो और भूटान की ओर से अंतरिक्ष इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की समर्पित टीम के सहयोगात्मक प्रयासों का आज भूटान के इस उपग्रह के प्रक्षेपण में समापन हुआ है।

समान नागरिक संहिता लागू करने पर दृढ़ता से विचार कर रही है कर्नाटक सरकार : मुख्यमंत्री बोम्मई

बेंगलुरु/शिवमोगा (कर्नाटक) (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि उनकी सरकार समानता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर 'गंभीरता' से विचार कर रही है। बोम्मई ने भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर राज्य की राजधानी बेंगलुरु में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'उनकी सरकार यूसीसी लागू करने पर बहुत गंभीरता से विचार कर रही है, क्योंकि यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के मुख्य घोषणापत्र का हिस्सा था।'

बोम्मई के अनुसार, राज्य सरकार यूसीसी को लागू करने के लिए विभिन्न राज्यों में गठित विभिन्न समितियों पर विचार कर रही है, ताकि इस पर कोई निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं का अध्ययन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को शिवमोगा में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि संविधान की प्रस्तावना समानता और बंधुत्व की बात करती है। यूसीसी लागू करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा, '..हम दीनदयाल उपाध्याय के समय से समान नागरिक संहिता के बारे में बात कर रहे हैं। देश में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर इस पर गंभीर विचार चल रहा है। सही समय आने पर इसे लागू करने का भी इरादा है।' उन्होंने कहा, '...हम यह भी चर्चा कर रहे हैं कि इसे अपने राज्य में कैसे (लागू) किया जाए।' बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार इसे लागू करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी। बोम्मई ने धर्मांतरण विरोधी कानून पर कहा कि कई लोगों ने इसे गैर-संवैधानिक करार दिया, लेकिन अब सर्वोच्च न्यायालय ने एक आदेश पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि जबरन धर्म-परिवर्तन एक अपराध है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का दृढ़ विश्वास है कि श्रद्धालुओं को मंदिरों का प्रबंधन करना चाहिए तथा आने वाले दिनों में इस दिशा में प्रावधान किये जाएंगे।

भारत जोड़ो यात्रा : दिग्विजय सिंह जमीन पर गिरे, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की सड़कों को जिम्मेदार ठहरायो

मनिहार (मध्यप्रदेश)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शनिवार को सड़क किनारे के एक रेस्तरां की ओर जाते वक्त भीड़ के बीच जमीन पर गिर पड़े। हालांकि, चश्मदीदों के मुताबिक उन्हें चोट नहीं आई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें सहारा देकर फौरन उठा लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने सिंह के जमीन पर गिरने के लिए खराब सड़कों को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा। उधर, भाजपा का दावा है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की धक्का-मुक्की के कारण सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ऐसे हादसों का शिकार होना पड़ रहा है। चश्मदीदों ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ से घिरे सिंह उस वक्त जमीन पर गिर पड़े, जब वह चाय काल के दौरान बड़वाह के पास सड़क किनारे के एक रेस्तरां में जा रहे थे। घटना के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, दिग्विजय सिंह भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अब तक चार बार जमीन पर गिर चुके हैं। हालांकि, मध्यप्रदेश में वह पहली बार गिरे हैं और इसका कारण राज्य की खराब सड़कें भी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक पुराने बयान का हवाला दिया जिसमें चौहान ने कहा था कि मध्यप्रदेश की सड़कें अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी की सड़कों से बेहतर हैं। रमेश ने कहा, मध्यप्रदेश की सड़कें वॉशिंगटन डीसी से बेहतर नहीं, बल्कि हत्यारी सड़कें हैं। खराब सड़कों के कारण मैं राज्य में खुद तीन बार गिरते-गिरते बचा हूँ। उधर, भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने दिग्विजय सिंह के जमीन पर गिरने का वीडियो ट्वीट किया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अनुशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कथित धक्का-मुक्की के चलते सिंह जैसे वरिष्ठ नेता भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जमीन पर गिर रहे हैं।

आरएसएस और भाजपा को मौजूदा संविधान पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनिहार (मध्य प्रदेश)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मौजूदा संविधान पर जरा भी भरोसा नहीं है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मध्य प्रदेश के खरगोन जिला स्थित मनिहार में संवाददाताओं से कहा, संघ और भाजपा को मौजूदा संविधान पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। आज वे लोग ही संविधान दिवस मनाने का पाखंड कर रहे हैं, जिनकी सरकार द्वारा संविधान की उपेक्षा और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस विचारधारा से ताल्लुक रखते हैं, देश की आजादी के बाद संविधान के निर्माण में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद संघ और हिंदू महासभा संविधान के खिलाफ थे और उन्होंने संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जन्मस्थली महू पहुंचने से पहले रमेश ने कहा कि आम्बेडकर हालांकि कांग्रेस के नेता नहीं थे, लेकिन उन्होंने संविधान का मसौदा पारित कराने का श्रेय कांग्रेस को दिया था।

कश्मीर के राजनीतिक दलों का कहना है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी जानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के एक दिन बाद, कश्मीर में राजनीतिक दलों ने शनिवार को कहा कि वे नए मतदाताओं को जोड़ने के बारे में नयी सूची में विवरण का अध्ययन कर रहे हैं तथा निर्वाचन आयोग को अब केंद्र शासित प्रदेश के लिए विधानसभा चुनावों की घोषणा कर देनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर की अंतिम मतदाता सूची शुक्रवार को प्रकाशित की गयी जिसमें 7.72 लाख से अधिक मतदाताओं की नयी प्रविष्टि की गयी है। जम्मू और कश्मीर के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल सलगोत्रा ने कहा कि सूची में 42,91,687 पुरुष, 40,67,900 महिलाएं और 184 तृतीय लिंगी सहित कुल 83,59,771 मतदाता हैं।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि करीब सात लाख मतदाता जोड़े गए हैं और पार्टी को यह देखना होगा कि उनमें से कितने मतदाता हैं जो पिछले संशोधन से अब तक 18 साल के हो गए हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हम निर्वाचन क्षेत्रवार इसके विवरण का अध्ययन कर रहे हैं।' सादिक ने कहा, हालांकि, अब जब पूरी प्रक्रिया खत्म हो गई है, पार्टी को उम्मीद है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बारे में बात करेगा। उन्होंने कहा, 'जम्मू और कश्मीर के लोगों को एक प्रतिनिधि, उत्तरदायी सरकार से कब तक वंचित रखा जाना चाहिए? इसलिए, यह सबसे महत्वपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग को सामने आना चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे कितनी जल्दी चुनाव कराएंगे।'

अंतिम मतदाता सूची के जारी होने के साथ ही सादिक ने यह उम्मीद भी जताई कि अब 25 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने के बारे में भ्रम और परिणामी आशंकाओं को दूर किया जाएगा, जैसा कि जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन सीईओ हृदेश कुमार ने अगस्त में एक प्रेस वार्ता में कहा था। उन्होंने कहा, 'हम यह भी उम्मीद करते हैं कि भ्रम और लोगों की आशंकाओं पर ध्यान दिया जाएगा।' पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा कि इंतजार करना और देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये नए मतदाता कौन हैं। पीडीपी के मुख्य प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने कहा, ÷मतदाता सूची में शमिल लोगों में से ऐसे कितने लोग हैं जो राज्य के निवासी हैं और कितने लोग हैं जिन्होंने अधिवास प्रमाण पत्र हासिल किया है। ये विवरण अभी सामने आना बाकी है। यह देखना बहुत महत्वपूर्ण होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात बलों की अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। सेना के कमांडर ने एलओसी पर सुरक्षा बलों की अभियान संबंधी तैयारी और मजबूत घुसपैठ रोधी दस्ते पर भरोसा जताया। सेना के उत्तरी कमान ने ट्विटर पर लिखा, 'लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, आर्मी कमांडर एनसी ने उरी में एलओसी के साथ अग्रिम इलाकों का दौरा किया, अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की, सभी रैंक के अधिकारियों के साथ बातचीत की और तैयारी और मजबूत घुसपैठ रोधी दस्ते पर भरोसा जताया।' लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज के सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला के साथ शुक्रवार को कोर जेड में अग्रिम इलाकों का दौरा किया, जहां उन्हें स्थानीय कमांडरों ने सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

कोई भी व्यक्ति सत्ता में हमेशा नहीं रहता है, सबक सिखाने से जुड़ी शाह की टिप्पणी पर ओवैसी ने का पलटवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति हमेशा सत्ता में नहीं रहता है। ओवैसी ने शाह पर ''सत्ता के नशे में चूर होने'' का भी आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि शाह ने शुक्रवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि गुजरात में पहले असामाजिक तत्व हिंसा में लिप्त होते थे, लेकिन 2002 में 'सबक सिखाने' के बाद अपराधियों ने ऐसी गतिविधियां बंद कर दी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में 'स्थायी शांति' कायम की।

गुजरात में फरवरी, 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। शाह की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद, ओवैसी ने अहमदाबाद के मुस्लिम बहुल जुहापुरा इलाके में शुक्रवार शाम एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं ने यह सबक सिखाया कि आप ''बिलकिस बानो के बलात्कारियों को छुड़वा देंगे''। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, ''मैं आपसे कहना चाहूंगा कि 2002 में आपने यह सबक सिखाया कि आप बिलकिस बानो के बलात्कारियों को छुड़वा देंगे; आपने सबक सिखाया कि आप बिलकिस बानो के सामने उसके तीन साल के बच्चे की हत्या करने वालों को छुड़वा देंगे।'' उन्होंने कहा, ''इस सबक के साथ, आपने सिखाया कि एहसान जाफरी की हत्या की जाएगी। आपने गुलबर्ग सोसाइटी और बेस्ट बेकरी का सबक सिखाया।''

उन्होंने कहा कि गोधरा बाद के दंगों में कांग्रेस के पूर्व सांसद जाफरी सहित कई मुसलमानों की हत्या कर दी गई। उल्लेखनीय है कि 2002 के गोधरा घटना बाद के बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे सभी 11 दोषी इस साल 15 अगस्त को गोधरा उप जेल से बाहर आ गये। दरअसल, गुजरात सरकार ने सजा में कटौती की अपनी नीति के तहत उनकी रिहाई की अनुमति दी थी। ओवैसी ने कहा कि किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता हमेशा नहीं रहती है। हैदराबाद के सांसद ने कहा, ''आप सबक सिखाने की बात करते हैं, लेकिन सत्ता में मौजूद लोग भूल गये हैं कि सत्ता में कोई व्यक्ति हमेशा नहीं रहता है...कोई व्यक्ति इसमें हमेशा नहीं रहेगा, किसी न किसी दिन यह छिन जाएगी। सत्ता के नशे में चूर गृह मंत्री सबक सिखाने की बात कर रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''आपने यह सबक सिखाया है कि पूरे देश को कैसे बदनाम किया जाए? अमित शाह, आपने किस तरह का सबक सिखाया था, जिसने दिल्ली में दंगे कराये।

बंधन अभ्यास के लिए 'भगवद गीता' का संदर्भ लें विद्यार्थी : प्रो राज कुमार

पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया छात्रों और शिक्षकों से संवाद

फरीदाबाद की आवाज/सतेन्द्र राजपूत

फरीदाबाद। पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राज कुमार ने आज प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन अभ्यास के लिए 'भगवद गीता' का संदर्भ लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भगवद गीता प्रबंधन अध्ययन के लिए सहायक आधार है। भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ संकट के समय में सर्वोत्तम प्रबंधन अभ्यास देती हैं। प्रो. राज कुमार आज जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में शिक्षकों और छात्रों के साथ एक परिचर्चा सत्र को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्जवलन और सरस्वती वंदना के बाद विश्वविद्यालय की कुलगीत से हुई। प्रतिष्ठित शिक्षाविद और शैक्षिक प्रशासक, प्रो. राज कुमार, जोकि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में प्रोफेसर रहे हैं, ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की रणनीतिक स्थिति के कारण इसका तकनीकी शिक्षा के

योगदान में एक निर्णायक कारक रहा है। उन्होंने कहा कि अवसर हमेशा चुनौतियों को कमजोर करते हैं, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन परिसर और भवन को दूसरी प्राथमिकता के रूप में रखते हुए इंक्यूबेशन सेंटर पर ज्यादा जोर देना चाहिए। प्रो. राज कुमार ने कहा कि छात्रों को खुद को कक्षाओं या प्रयोगशाला की चारदीवारी तक सीमित न रखते हुए कार्यक्षेत्र में जाना चाहिए और प्रमाणिक जानकारी और अभिनव विचारों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को इंक्यूबेशन सेंटर में अपने अभिनव विचारों पर काम करने के लिए भी प्रेरित किया। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तोमर ने प्रो. राज कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया जोकि पंजाब विश्वविद्यालय में उनके सहयोगी रहे है। उन्होंने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौते पर भी विस्तार से चर्चा की। सत्र को संबोधित करते हुए मैनेजमेंट स्टडीज के डीन डॉ. आशुतोष निगम ने विभाग का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया तथा विभाग की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधन अध्ययन की सहायक प्राध्यापक डॉ. सपना तनेजा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सर छोटू राम को हमेशा प्रेरणा के रूप में याद किया जाएगा–जीपीएस सांगवान

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। जाट समाज फरीदाबाद द्वारा सेक्टर 16 स्थित किसान भवन में रहबरे आजम सर छोटू राम की जयंती मनाई गई 1 इस अवसर पर सर छोटू राम के फोटो पर जाट समाज के प्रधान व पूर्व आईएएस अधिकारी जयपाल सिंह सांगवान व अन्य पदाधिकारियों ने फूल माला अर्पित करते हुए नमन किया 1 जेपीएस सांगवान ने अपने संबोधन में कहा कि सर छोटूराम ने किसान और कमेरा वर्ग के लिए अनेक कानून बनवाए और उनकी बेहतर जिंदगी के लिए कार्य किए 1 सर छोटू राम का जन्म 24 नवंबर 18 81 को गढी सापला रोहतक में हुआ 1 परिवार में यह सबसे छोटे थे इनके पिता का नाम सुखीराम और माता सरला देवी थी उन्होंने साहूकारों के शोषण और नौकरशाही के दमन से ग्रामीण जनता को मुक्ति दिलाना जीवन का उद्देश्य निश्चित कर लिया 1 वह एक जुझारू एवं निस्वार्थ सेवक थे तत्कालीन सरकार ने प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात उनको रायबहादुर की उपाधि से नवाजा तथा 1937 में उनको सर की पदवी से नवाजा गया और उनके अनुयायियों ने उनको दीनबंधु और रहबरे आजम का खिताब दिया 1 उन्होंने स्कूल में पढ़ते हुए 18 97 में हितोपदेश के श्लोक को लिखा 1 इसमें कहा गया की जन्म उसी का सार्थक है जिसके जन्म लेने से उसका वंश उन्नति को प्राप्त होता है सर छोटू राम ने सरकार में अनेक महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी

संभालते हुए हुए जनता के हित के लिए कानून बनवाए और उनको लागू करवाया भाखड़ा बांध भी उनके द्वारा किए गए कार्यों में से एक है 9 जनवरी 1945 को उन्होंने अंतिम सांसे ली 1 अपने जीवन काल में उन्होंने किसानों मजदूरों एवं शोषित वर्ग के आर्थिक सामाजिक एवं राजनैतिक उत्थान के लिए भरपूर योगदान दिया 1 हम उस महामानव युग प्रवर्तक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन करते हैं कार्यक्रम का संचालन महासचिव एचएस मलिक ने किया 1 इस अवसर पर टीएस दलाल ,एचएस ढिल्लो, शिवराम तेवतिया, बिजेंदर फौजदार , रतन सिंह शिवाच, जितेंद्र चौधरी ,राहुल सेठी, रेखा चौधरी ,रमेश चौधरी, वीपी दलाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने युग प्रवर्तक सर छोटू राम को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया और उनके जीवन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण बातों से सबको अवगत कराया 1 इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे मौजूद रहे 1

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा पैविलियन के स्टॉलों का किया दौरा

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। राजधानी दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में लगे भारतीय व्यापार मेले-2022 के पाँचवे दिन हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा पैविलियन में लगे विभिन्न स्टॉलों का दौरा किया।

इस दौरे के दौरान वह सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.) के उपक्रम व हरियाणा के प्रमुख पर्यटक स्थल ध्यानकक्ष के स्टाल पर भी गए जहाँ पर ट्रस्ट के सदस्यों ने शॉल व सम्मान चिन्ह देकर उनका अभिवादन किया तथा ध्यानकक्ष के बारे में बताते हुए कहा कि एकता का प्रतीक यह ध्यान-कक्ष, अपने आप में ÷समभाव-समदृष्टि का स्कूल÷ है जिसे ÷सतयुग की पहचान व मानवता का स्वाभिमान माना जाता है। युग परिवर्तन

के सत्य को दृष्टिगत रखते हुए, यहाँ से प्रत्येक मानव को कलियुगी भाव-स्वभाव छोड़ समभाव-समदृष्टि की युक्ति अनुसार, सतयुगी नैतिक आचार संहिता अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है तथा यहाँ से हर मानव को धार्मिक भिन्न-भेद से उबर, संतोष, धैर्य अपना कर, सत्य की राह पर निष्कामता से चलते हुए, निज मानव धर्म पर खड़े हो परोपकारी बनने के प्रति उत्साहित किया जाता है। इस तरह इस ध्यान कक्ष से सबको समभाव नज़रों में कर समदर्शिता अनुरूप सबको एक नज़र से देखते हुए, एक रस व्यवहार करने की प्रेरणा दी जाती है ताकि द्वि-द्वैत युक्त भिन्नता का भाव समाप्त हो और आज का विषय ग्रस्त, निर्बल मानव, विचार, सत्-ज़बान, एक दृष्टि व एक अवस्था में आ, अपनी हस्ती की यथार्थता यानि ज्ञान, गुण व शक्ति को जान जाएं और सजनता का प्रतीक बन, इस धरती पर पुन~ सतयुग जैसा सर्वोत्तम समयकाल ले आए। इसके अतिरिक्त यहाँ पर शब्द अर्थात् मूलमंत्र आद् अक्षर, अमर आत्मा को ही गुरु माना जाता है व उसी के साथ, ख़्याल व ध्यान का सम्पर्क स्थापित कर, सीधा कुदरत से ही, आत्मिक ज्ञान प्राप्त करने की व नित्य में श्रद्धा बढ़ाने की प्रेरणा दी जाती है। इस अवसर पर ट्रस्ट के युवा बच्चों ने 'हम एक है-हम एक है' नृत्य प्रस्तुति द्वारा सबको एकता में आने का सन्देश दिया। अंत में माननीय गवर्नर ने ट्रस्ट की मानवोत्थान हेतु किये जाने वाले कार्यों की सराहना स्वरुप बच्चों को आशीर्वाद दिया।

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा अन्य संबद्ध उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फरीदाबाद के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इस अवसर पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से डीन इंस्टीट्यूशन्स प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चैहान, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, डॉ. के. एस. आर्य सहित विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. तोमर ने अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की सहभागिता में शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए अवसर मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है ताकि शोधकर्ताओं के लिए उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हो।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राज कुमार ने उद्योग एवं अकादमिक संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय औद्योगिक केंद्र में स्थित है। यह उद्योग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को आसानी से हासिल कर सकता है, जिससे दोनों विश्वविद्यालय को ऐसी परियोजनाओं पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा और उद्योग को समाधान प्रदान करने के लिए दोनों परस्पर विशेषज्ञता को साझा कर सकते हैं। प्रो. राज कुमार ने जे.सी. विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय खेलों में अग्रणी है और यहां विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं हैं। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए पंजाब विश्वविद्यालय तैयार है।

इससे पहले कुलपति प्रो. तोमर ने पीयू के कुलपति प्रो. राज कुमार का पुष्प गुच्छ एवं चित्र भेंट कर स्वागत किया। पीयू के कुलपति प्रो. राज कुमार ने भी प्रो. तोमर को पंजाब विश्वविद्यालय की ओर से स्मारक चिह्न भेंट किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338